मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 7 अंक 102
बुधवार, 23 अक्टूबर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

पीएम मोदी ने व्लादिमीर पुतिन से कहा- यूक्रेन विवाद को सुलझाने के लिए भारत हरसंभव सहयोग देने को तैयार

कजान, 22 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक की और उनसे कहा कि वे यूक्रेन संघर्ष के शीघ्र, शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करते हैं और उन्होंने कहा, ?भारत हमेशा शांति लाने में मदद करने के लिए तैयार है?। मंगलवार को द्विपक्षीय बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन से कहा, ?मैं रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष के विषय पर लगातार आपके संपर्क में रहा हूं। जैसा कि मैंने पहले कहा है, हमारा मानना ??है कि समस्याओं का समाधान शांतिपूर्ण तरीके से किया जाना चाहिए। हम शांति और स्थिरता की शीघ्र स्थापना का पूरा समर्थन करते हैं। हमारे सभी प्रयासों में मानवता को प्राथमिकता दी गई है। भारत आने वाले समय में हर संभव सहयोग प्रदान करने के लिए तैयार है।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि पिछले तीन महीनों में रूस की उनकी लगातार यात्राओं ने दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत किया है। उन्होंने बैठक के दौरान कहा, ?मैं आपकी मित्रता, गर्मजोशी भरे स्वागत और आतिथ्य के लिए दिल से आभार व्यक्त करता हूं। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए कजान जैसे खूबसूरत शहर में आने का अवसर मिलना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। कजान में भारत के नए वाणिज्य दूतावास के खुलने से ये संबंध और मजबूत होंगे।

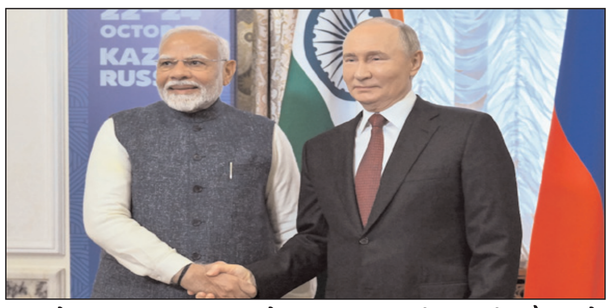

प्रधानमंत्री ने पुतिन से कहा यूक्रेन विवाद को सुलझाने के लिए भारत हरसंभव सहयोग देने को तैयार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कजान में 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के इतर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। द्विपक्षीय बैठक में प्रधानमंत्री ने यूक्रेन विवाद के शांतिपूर्ण समाधान के लिए हरसंभव सहयोग देने की भारत की इच्छा जताई।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे विवाद के विषय पर मैं लगातार आपके संपर्क में रहा हूं। जैसा कि मैंने पहले कहा है, हमारा मानना है कि समस्याओं का शांतिपूर्ण तरीके से समाधान किया जाना चाहिए। हम शांति और स्थिरता की शीघ्र स्थापना का पूरा समर्थन करते हैं।

हमारे सभी प्रयासों में मानवता को प्राथमिकता दी जाती है। भारत आने वाले समय में हरसंभव सहयोग देने के लिए तैयार है।? प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले तीन महीनों में रूस की अपनी दो यात्राओं को भी याद करते हुए कहा कि वे ?हमारे घनिष्ठ समन्वय और गहरी मित्रता को दर्शाती हैं।? पुतिन के अलावा प्रधानमंत्री के चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मिलने और अन्य ब्रिक्स सदस्य देशों के नेताओं के साथ द्विपक्षीय वार्ता करने की संभावना है।

बेंगलुरू में निमार्णाधीन इमारत गिरने से तीन लोगों की मौत, 14 लोगों के फंसे होने की आशंका

बेंगलुरु, 22 अक्टूबर। मंगलवार को बेंगलुरु में एक निमार्णाधीन इमारत ढहने से तीन लोगों की मौत हो गई और कम से कम 14 श्रमिकों के फंसे होने की आशंका है। यह घटना शहर के हेनूर इलाके में भारी बारिश के बीच हुई। अग्निशमन और आपातकालीन सेवाओं के सूत्रों ने पुष्टि की है कि उन्होंने तीन शव बरामद किए हैं। जीवित बचे लोगों या शवों को खोजने के लिए बचाव अभियान अभी भी जारी है। यह घटना मंगलवार को शहर के बाबूसाब पाल्या इलाके में हुई। इस बीच, बचाव दल ने अब तक 3 व्यक्तियों को सफलतापूर्वक बचाया है, और शेष लोगों को बचाने के प्रयास जारी हैं। जानकारी के अनुसार, अधिकारी मौके पर हैं, और आपातकालीन सेवाएं फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकालने के लिए काम कर रही हैं।

इमारत ढहने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, और आगे की जानकारी का इंतजार है। बेंगलुरु के पूर्वी हिस्से में होरामावु अगरा इलाके में एक इमारत ढहने के बाद कम से कम 17 लोगों के फंसे होने की आशंका है। बचाव अभियान जारी है प्रारंभिक जांच के अनुसार, पूरी इमारत ढह गई जिसके बाद लोग इसके नीचे फंस गए, एक अग्निशमन विभाग के अधिकारी ने पीटीआई को बताया। बचाव अभियान में अग्निशमन और आपातकालीन विभाग की दो बचाव वैन को लगाया गया है। यह इमारत उस दिन गिरी जिस दिन शहर के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई। देश की आईटी राजधानी में मंगलवार को फंसे हुए लोगों को निकालने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) की पांच टीमों को तैनात किया गया था।

झारखंड में बनेगी एनडीए सरकार, हार की ओर बढ़ रहा विपक्षी गठबंधन: चिराग पासवान

पटना, 22 अक्टूबर। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने मंगलवार को भरोसा जताया कि एनडीए झारखंड में एक मजबूत सरकार बनाएगी, जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हरियाणा के बाद अपनी अगली बड़ी हार की ओर बढ़ती दिख रही है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख ने यह भी कहा कि वह राज्य में भाजपा की एक सीट की पेशकश से संतुष्ट हैं और उन्होंने उन अटकलों को खारिज कर दिया कि इस सौदे से उन्हें अपमानित महसूस हुआ है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने मंगलवार को भरोसा जताया कि झारखंड में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि पड़ोसी राज्य के आगामी विधानसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन इंडिया हरियाणा के बाद अगली बड़ी हार की ओर बढ़ रहा है। लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा)-रामविलास के प्रमुख चिराग ने यह भी कहा कि वह झारखंड में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा उनकी पार्टी को एक सीट की पेशकश किये जाने से संतुष्ट हैं। उन्होंने इस बात को खारिज कर दिया कि इस सीट समझौते से उन्हें अपमानित महसूस होना पड़ा है।

पासवान ने संवाददाताओं से कहा, बहुत से लोग हैं, जो मेरे और प्रधानमंत्री के बीच दरार डालना चाहते हैं। वे कभी सफल नहीं होंगे। मैं यह बताना देना चाहता हूं कि हमारी पार्टी न केवल खुश है बल्कि पूरी तरह से संतुष्ट है कि भाजपा ने झारखंड में भी हमें उचित सम्मान दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि 24 अक्टूबर को उनकी पार्टी के उम्मीदवार जनार्दन पासवान नामांकन पत्र दाखिल करेंगे और इस दौरान वह खुद झारखंड का दौरा करेंगे।

बहराइच हिंसा में भाजपा के नेता शामिल, ऐसा हिटलर के जमाने में होता था : अखिलेश यादव

लखनऊ, 22 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश के बहराइच में बीते दिनों हुई साम्प्रदायिक हिंसा के मुद्दे पर सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ सरकार के कुछ नेता हिंसा में शामिल थे और ऐसा जर्मनी के तानाशाह हिटलर के जमाने में होता था जब पुलिस को हटाकर दंगाइयों को हिंसा करने की खुली छूट दी जाती थी। यादव ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए बहराइच हिंसा का ठीकरा भाजपा के सिर फोड़ते हुए कहा, बहराइच में दंगा करने का काम अगर किसी ने किया तो वे भाजपा के नेता थे। पार्टी के विधायक अपनी ही कार्यकर्ताओं पर मुकदमा दर्ज कर रहे हैं और उसमें दंगे की साजिश की धाराएं शामिल हैं।

उन्होंने मीडिया में जारी एक खबर का जिक्र करते हुए कहा, एक वीडियो भी वायरल हुआ है और मैं बधाई देना चाहता हूं उस पत्रकार को जिसने हिम्मत जुटाकर छुपे हुए कैमरे के वीडियो से जानकारी हासिल की। पुलिस प्रशासन मौके पर कई घंटों तक मौजूद ही नहीं था और उन्हें (दंगाइयों को) खुली छूट दी गई थी। सपा प्रमुख ने कहा, इसी तरह से हिटलर काम करता था। हिटलर अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को पुलिस की वर्दी पहनकर आगे कर देता था। हिटलर के जमाने में यह होता था कि पुलिस को हटा दो और दंगा होने दो।

उन्होंने आरोप लगाया कि यह घटना इसलिये करायी गयी क्योंकि भाजपा के लोग घबरा गए हैं। उनके पास महंगाई और बेरोजगारी का कोई जवाब नहीं है। वह आरक्षण छीन रही है। वह संविधान के तहत व्यवस्था को नहीं लागू होने देना चाहती। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश ने प्रदेश की नौ विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में गड़बड़ी के लिये प्रशासनिक तंत्र के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कहा, पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) परिवार के लोग सब एकजुट हो गए हैं।

यादव ने कहा, प्रदेश में कानून व्यवस्था इस हद तक बिगड़ गई है कि पुलिस के साथ ही घटनायें हो रही हैं। कानपुर में महिला कांस्टेबल से दुष्कर्म की बात हो या फिर पुलिसकर्मी के पास से 25 लाख रुपये की जब्ती। यह केवल एक जिले में नहीं बल्कि हर जिले में यही स्थिति है। उच्चतम न्यायालय द्वारा बहराइच में बुलडोजर की कार्रवाई पर रोक लगाई जाने के बारे में पूछे जाने पर सपा प्रमुख ने कहा, देखिए उच्चतम न्यायालय या जनता की अदालत जब तक भाजपा को नहीं हटाएगी तब तक न्याय नहीं मिलेगा।

बहराइच हिंसा में बुधवार तक बुलडोजर कार्रवाई पर रोक, आरोपियों की याचिका पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय बहराइच हिंसा के तीन आरोपियों की याचिका पर बुधवार को सुनवाई करेगा। तब तक सुप्रीम कोर्ट ने ध्वस्तीकरण कार्रवाई पर रोक लगा दी है। उत्तर प्रदेश सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट को बुधवार तक कोई कार्रवाई न करने का आश्वासन दिया है। दरअसल आरोपियों ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी ध्वस्तीकरण नोटिस के खिलाफ याचिका दायर की है। याचिकाकताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सी यू सिंह ने न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ के समक्ष मामले का उल्लेख करते हुए तत्काल सुनवाई किए जाने की अपील की। वकील ने कहा कि राज्य सरकार ने नोटिस का जवाब देने के लिए केवल तीन दिन का समय दिया है। सिंह ने कहा कि याचिकाकर्ता संख्या-एक के पिता और भाइयों ने आत्मसमर्पण कर दिया है और नोटिस कथित तौर पर 17 अक्टूबर को जारी किए गए और 18 को शाम को चिपकाए गए। उन्होंने कहा, 'हमने रविवार को सुनवाई का अनुरोध किया था लेकिन ऐसा नहीं हो पाया।' उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज ने अदालत से कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मामले पर विचार किया है और नोटिस का जवाब देने के लिए 15 दिन का समय दिया है। याचिकाकताओं के वकील ने कहा कि उच्च न्यायालय ने कोई संरक्षण नहीं दिया है। इसके बाद न्यायालय ने एएसजी से बुधवार तक कोई कार्रवाई नहीं करने को मौखिक रूप से कहा और मामले को उसी दिन के लिए सूचीबद्ध किया।

दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के बीच कालिंदी कुंज के पास यमुना नदी में फिर दिखा जहरीला झाग, बढ़ी चिंता

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। कालिंदी कुंज इलाके में बह रही यमुना नदी में मंगलवार को भी जहरीला झाग तैरता देखा गया। यमुना नदी में प्रदूषण का स्तर लगातार खतरनाक स्तर पर बना हुआ है। यमुना नदी में रविवार से ही लगातार सफेद झाग दिखाई दे रहे है। इससे साफ जाहिर होता है कि यमुना नदी में प्रदूषण काफी अधिक बढ़ने लगा है। इस सफेद झाग से एक बार फिर ये मुद्दा उजागर हुआ है।

वीकेंड पर हर बार यमुना घाटों की नियमित सफाई करने वाले एनजीओ के मालिक दिनेश कुमार ने नदी में इस तरह बढ़े प्रदूषण की स्थिति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, नदी में बहुत अधिक झाग है, जिससे नदी का पानी अब त्वचा के साथ-साथ आंखों के लिए भी जहरीला हो गया है। हमें सफाई प्रक्रिया में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है... नदी में छोड़े गए अनुपचारित सीवेज के पानी ने पानी की गुणवत्ता में तेजी से गिरावट ला दी है।

शनिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कालिंदी कुंज में यमुना के तट का दौरा किया और आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की तीखी आलोचना की। उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर ?जहरीली राजनीति? करने का आरोप लगाया, जिसने राष्ट्रीय राजधानी में पानी और हवा दोनों को खतरनाक बना दिया है। पूनावाला ने केजरीवाल और अन्य आप नेताओं को प्रदूषित यमुना नदी में डुबकी लगाने की चुनौती भी दी।

इस बीच, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, मंगलवार को दिल्ली की वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में आ गई, सुबह 8:00 बजे के आसपास वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 385 दर्ज किया गया। आनंद विहार, कालकाजी, नेहरू प्लेस और अक्षरधाम मंदिर जैसे इलाकों में कोहरे की मोटी परत देखी गई, जिससे शहर की वायु गुणवत्ता लगातार खराब होती गई गाजीपुर इलाके में भी धुंध छाई रही, जिससे दृश्यता और भी खराब हो गई। सीपीसीबी ने शहर की हवा को 'बहुत खराब' श्रेणी में रखा है, जिससे निवासियों, खासकर सांस की बीमारी वाले लोगों के स्वास्थ्य पर संभावित प्रभाव की चेतावनी दी गई है।

अगर मौसम की स्थिति में सुधार नहीं होता है तो प्रदूषण का स्तर उच्च रहने की उम्मीद है।

कर्तव्य पथ पर घूमने आए सैफ ने बताया, ?इन महीनों में खासकर अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर में सांस लेने में दिक्कत होती है। सरकार प्रदूषण को रोकने के लिए सही कदम उठा रही है। दिल्ली में स्थिति ऐसी है कि अगर समय रहते सही कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में काफी परेशानी हो सकती है।

देश के कुछ सीआरपीएफ स्कूलों को मिली बम से उड़ाने की धमकी, ई मेल के जरिए संदेश भेजा गया

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। देश भर के कई राज्यों के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। इससे पहले रविवार को ही दिल्ली के एक सीआरपीएफ स्कूल के पास बम धमाका हुआ था। उसके बाद अब एक बार फिर से कई राज्यों में सीआरपीएफ स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है।

जानकारी के मुताबिक सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स यानी सीआरपीएफ के दिल्ली स्थित दो और हैदराबाद स्थित एक स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। ईमेल के जरिए सीआरपीएफ स्कूलों को उड़ाने की धमकी दी गई है।

वहीं मेल भेजने वाले ने पूर्व डीएमके लीडर जफर सादिक की गिरफ्तारी का जिक्र भी किया है। इसे हाल में ही एनसीबी और ईडी ने गिरफ्तार किया था। वहीं तमिलनाडु के कोयंबटूर के चिन्नावेदमपट्टी और सरवनमपट्टी स्थित दो निजी स्कूलों को भी बम की धमकी दी गई है। जानकारी के मुताबिक जिन स्कूलों को बम की धमकी मिली है वहां बॉम्ब स्क्वाड की टीमों को भेजा गया है। धमकी मिलने वाले स्कूलों में बॉम्ब स्क्वाड की टीमों ने खाली करवा लिया है। यहां टीमें स्कूलों की जांच कर रही है।

गांदरबल हमला लोकतंत्र को दहलाने की साजिश

-ललित गर्ग

जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले में रविवार रात को आतंकवादियों ने जिस तरह टारगेट किलिंग से एक कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट में काम कर रहे लोगों को निशाना बनाया, वह हर लिहाज से गंभीर, चिन्ताजनक एवं चुनौतीपूर्ण घटना है। यह आतंक का अंधेरा फैलाने एवं अमन के उजाले को लीलने की गहरी साजिश है। यह जहां आतंकवादियों की बौखलाहट की निष्पत्ति है वहीं उनकी बदली प्राथमिकताओं की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। राज्य में टारगेट किलिंग की यह कोई नई घटना नहीं है बल्कि हाल ही के वर्षों में सुरक्षा बलों के कैम्पों से लेकर प्रवासी मजदूरों के घरों एवं कश्मीरी पंडितों पर ऐसे टारगेट किलिंग हमले होते रहे हैं जिसके पीछे आतंकी संगठनों की हताशा ही दिखाई देती है। टारगेट किलिंग पाकिस्तान की कश्मीर में अशांति एवं आतंक फैलाने की नई साजिश है। अनुच्छेद-370 हटाए जाने के बाद से ही टारगेट किलिंग की घटनाएं बढ़ी हैं। वर्ष 2022 और 2023 में आतंकियों ने न केवल कश्मीरी पंडितों को निशाना बनाया बल्कि प्रवासी मजदूरों की भी लक्षित हत्याएं कीं। चुनाव में बाधा डालने के उनके तमाम प्रयास निष्फल हो जाने, लोकसभा चुनाव और विधानसभा चुनाव शांतिपूर्वक होने और इनमें लोगों की भागीदारी के भी रिकॉर्ड बनने से आतंकवादी हताश एवं निराश हो गये। पाकिस्तान बौखला गया। अब आतंकी तत्वों ने जम्मू-कश्मीर में निर्वाचित सरकार के गठित होते ही इस बड़े हमले को अंजाम देकर यह जताने का प्रयास किया है कि वे जनादेश के तहत बनी इस सरकार की राह में अड़ंगा डालने का हरसंभव प्रयास करते रहेंगे, अशांति एवं आतंक फैलाते रहेंगे। लेकिन इन चुनौतियों को निस्तेज करने के लिये प्रांत एवं केन्द्र सरकार को कमर कसनी होगी। सुरक्षा बलों को नये तेवर दिखाने होंगे।

लक्षित हत्याएं न केवल पीड़ितों और उनके परिवारों को अपूरणीय क्षति पहुंचाती हैं, बल्कि जम्मू-कश्मीर में स्थायी शांति को बढ़ावा देने के प्रयासों को भी गहरा झटका देती हैं। ये हत्याएं न केवल जम्मू-कश्मीर के समाज के विविध ताने-बाने को कमजोर करती हैं, बल्कि घाटी में रहने वाले गैर-स्थानीय और अल्पसंख्यक समुदायों में असुरक्षा भी पैदा करती हैं। ये हत्याएं विकास को अवरुद्ध करती हैं, बल्कि उद्योग, व्यापार, पर्यटन एवं सौहार्द को भी खण्डित करती हैं। सुरक्षा बलों पर विभाजनकारी एवं आतंकी ताकतों के खिलाफ अपना दृढ़ रुख बनाए रखने का दायित्व है, जिसे संदिग्ध गतिविधियों के बारे में जानकारी साझा करने में स्थानीय लोगों के सक्रिय सहयोग से बल मिलता है। जबकि घाटी में शांति ने प्रगति की है, इस नाजुक संतुलन को बाधित करने के किसी भी प्रयास का सुरक्षा बलों और स्थानीय लोगों, दोनों द्वारा कड़ा विरोध किया जाना चाहिए। कश्मीर में एक समय से अमनचैन एवं शांति के साथ विकास की गंगा प्रवहमान रही है। सुरक्षा बलों की सतर्कता से जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं में आई कमी और आम जनजीवन पर उनके घटते असर से चिंतित आतंकी आकाओं ने आम चुनावों के दरम्यान अपनी सक्रियता बढ़ा दी, लेकिन वे इसमें सफल नहीं हो पाये। अब मौका मिलते ही उन्होंने ऐसे इलाकों को चुना है जहां सुरक्षा बलों की तैनाती कम एवं मुश्किल थी। टारगेटेड अटैक के जरिए बाहरी लोगों को निशाना बनाया गया ताकि उनमें घबराहट फैले, अफरा-तफरी मचे और पर्यटकों का आना कम हो। इसीलिये आतंकियों ने इस बार हमले के लिए श्रीनगर और सोनमर्ग के बीच बनाई जा रही जेड-मोड टनल का काम कर रहे लोगों को चुना गया। यह टनल न केवल जम्मू-कश्मीर के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि रणनीतिक लिहाज से भी खासी अहमियत रखती है। इसके निर्माण से श्रीनगर और करगिल के बीच निर्बाध संपर्क सुनिश्चित होगा और श्रीनगर व लेह के बीच की यात्रा में लगने वाला समय कम हो जाएगा। यही नहीं, इस टनल के जरिए पर्यटकों के पसंदीदा शहर सोनमर्ग की हर मौसम में सुविधाजनक पहुंच भी सुनिश्चित की जा सकेगी।

गांदरबल का हमला आतंकियों की एक बड़ी सफलता है, कश्मीर में आतंक-अशांति फैलाने और विकास की गति को अवरुद्ध करने की साजिश है। जाहिर है, पाकिस्तानी जमीन पर बैठे आतंकवादी तत्वों ने इस एक हमले के जरिए कई उद्देश्य पूरे करने की कोशिश की है। उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में सरकार गठन के बाद पाकिस्तान के इशारे पर कश्मीर घाटी में एक बड़ी आतंकी घटना को सफलतापूर्वक अंजाम दे दिया जाना हमारे लिये चिन्ता से भी चेतावनी भी है। यह घटना चेता भी रही है कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के निर्वाचन क्षेत्र गांदरबल में केन्द्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे टनल प्रोजेक्ट में कार्यरत सात प्रवासी श्रमिकों पर अंधाधुंध फायरिंग कर आतंकवादियों ने उनकी हत्या कर दी। मृतकों में एक स्थानीय डॉक्टर भी शामिल था। मरने वालों में पंजाब, बिहार और कठुआ के रहने वाले मजदूर शामिल हैं। कई श्रमिकों के घायल होने की खबर है जिनका अस्पताल में उपचार चल रहा है। ये सभी श्रमिक काम खत्म करने के बाद मेस में खाना खाने बैठे थे। तभी आतंकवादियों ने उन्हें गोलियों से भून दिया। निश्चितरूप से यह आतंकवादियों की कायराना एवं शर्मनाक करतूत है। इस घटना से चार दिन पहले शोपियां में बिहार के एक मजदूर की हत्या कर दी थी। ये हत्याएं आतंकवाद की अंधाधुंध हिंसक एवं आतंकी प्रकृति को उजागर करती हैं जो अपने रास्ते में किसी को भी नहीं छोड़ते। निर्दोष नागरिकों की बेवजह हत्या किसी एक परिवार के किसी प्रियजन को ही नहीं छीनता बल्कि उन लोगों में भी खौफ पैदा करता है जो आतंकवाद की छाया में भी रोजी-रोटी कमाने के लिए, जम्मू-कश्मीर में मजदूरी करते हैं। क्या नई सरकार का गठन आतंकवादियों के लिये सहूलियतभरा है? ऐसा है तो इसके सन्देश को समझना होगा। स्वयं उमर अब्दुल्ला सरकार एवं नेशनल कांफ्रेन्स को इसे गलत साबित करते हुए आतंकवादियों के खिलाफ सख्त होना होगा। एक बड़ा प्रश्न है कि जम्मू कश्मीर में उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में नई सरकार बनने के बाद वहां सक्रिय आतंकवादियों और अलगाववादी ताकतों के हौसले एकाएक बुलंद क्यों हो गये? गौरतलब है कि जब जम्मू कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस को बहुमत मिला था तो कश्मीर घाटी में इस जीत की खुशी में आपत्तिजनक नारे लगाए गए थे। यहां तक की पाकिस्तान के झंडे भी लहराए गए थे। ऐसा क्यों हुआ? इस तरह आतंकियों के हौसले बुलन्द होना नवगठित सरकार एवं वहां की जनता के लिये गहन चिन्ता का विषय होना चाहिए। भले ही हमले के बाद आई प्रतिक्रियाओं से साफ है इस मसले पर पक्ष-विपक्ष पूरी तरह एकजुट है। सबसे बड़ी बात यह कि अब आतंक के खिलाफ उठे इन स्वरों में जम्मू-कश्मीर के लोगों की नुमाइंदगी कर रही आवाजें भी शामिल हैं। सम्मिलित सुनियोजित प्रयासों से जम्मू-कश्मीर को आतंकवाद के बचे-खुचे निशानों से भी मुक्त करने का लक्ष्य अब पहुंच से दूर नहीं कहा जा सकता। लेकिन इसके लिये सन्देह की शंकाओं के घेरों को तोड़ना होगा। कश्मीर घाटी में आतंकवादियों के सफाए के लिए भारतीय सेना और सुरक्षा बल के जवान लगातार मुहिम चला रहे हैं उनके प्रयासों को बिना राजनीति किये तीक्ष्ण एवं तीव्र करना होगा। इस बीच जम्मू कश्मीर के उरी सेक्टर में पाकिस्तान के आतंकवादियों ने घुसपैठ करने की कोशिश की है जिसे भारतीय सेना ने नाकाम कर दिया। जाहिर है पाकिस्तान कश्मीर घाटी में अशांति फैलाने के लिए सीमा पार से साजिशें कर रहा है।

इसलिए जम्मू कश्मीर में भारतीय सेना और सुरक्षाबलों को और अधिक सतर्क रहने की जरूरत है ताकि आतंकवादी कश्मीर घाटी में फिर ऐसी आतंकी घटना की पुनरावृत्ति न कर पाए। जनता ने स्पष्ट जनादेश देकर यह संदेश दिया कि घाटी में लोकतंत्र महके, ना कि दहके। यह जनादेश आतंकवाद और अलगाववाद से मुक्ति की चाहत का परिणाम है। राज्य की जनता ने अपनी उम्मीदों को लेकर सरकार चुनी और नैशनल कांफ्रेंस पर भरोसा जताया। नई सरकार के सामने जनता की उम्मीदों को पूरा करने की चुनौती तो है ही, सबसे बड़ी चुनौती तो आतंकवाद को जड़ से खत्म करना और ऐसा वातावरण सृजित करना है जिसमें आम आदमी खुद को सुरक्षित महसूस करे और इस क्षेत्र में विकास की धारा के साथ कदम से कदम मिलाकर चले। जम्मू-कश्मीर में गरीबी, अन्याय और आतंकवाद के खिलाफ अभी लम्बा सफर तय करना बाकी है। आतंकवाद के पैर उखाड़ने के लिये जनता एवं सरकार की मिली-जुली शक्तियां सामने आये।

आज देश में बढ़ते वृद्धाश्रम देश के बुजुर्गों के प्रति बेरुखी दर्शाते है, सरकार संज्ञान

अशोक भाटिया

भारत के कई मंत्री विदेशों की यात्रा पर जाते रहते है और वहां से कुछ अच्छी बातें देश की तरक्की के लिए सीख कर आते है जो हमारे देश के लिए अनुकरणीय होती है। अच्छा है, पर विदेशों में जो बुजर्गो को सुविधाए दी जाति है उसका अनुकरण हमारा देश नहीं कर पता है। आज देश में बढ़ते वृद्धाश्रम इस बात का संकेत हैं कि बुजुर्गों की देखभाल में समाज या सोशल सिक्योरिटी सिस्टम कहीं न कहीं पर्याप्त नहीं हैं। बुढ़ापे में आय की कमी, पेंशन की दिक्कत और परिवारों में देखभाल की कमी के बीच आज देश भर में 1000 से अधिक ओल्ड एज होम हैं जो कि सरकारी और गैरसरकारी मदद से चल रहे हैं लेकिन इनमें से भी अधिकांश में बहुत बेहतर सुविधाएं नहीं होने की बात हमेशा सामने आती है। एक सर्वे के अनुसार हमारे देश में वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या का पहला और सबसे बड़ा कारण लोगों की बदलती जीवनशैली है। पहले, परिवार संयुक्त परिवारों में रहते थे, जहाँ बुजुर्गों का सम्मान किया जाता था और उनके बच्चों और पोते-पोतियों द्वारा उनकी देखभाल की जाती थी। हालांकि, एकल परिवारों की शुरूआत के साथ, बुजुर्गों को अक्सर खुद की सुरक्षा के लिए अकेला छोड़ दिया जाता है। बच्चे बेहतर नौकरी के अवसरों की तलाश में दूर चले जाते हैं, और बुजुर्ग पीछे छूट जाते हैं, अकेलापन और उपेक्षा महसूस करते हैं।इसके अलावा, कई युवा नौकरी की वजह से विदेश चले जाते हैं और उनके माता-पिता अकेले रह जाते हैं। एक विकसित होते देश को अपनी बुजुर्ग होती आबादी के लिए और किन बातों पर ध्यान देने की जरूरत है इसके लिए दुनिया में कई देशों में उठाए गए कदमों से सीख ली जा सकती है। खासकर फिनलैंड जैसे स्कैंडिनेवियन देशों से जो बेहतर लाइफस्टाइल और हैपीनेस इंडेक्स में दुनिया में सबसे आगे मानी जाती है। देखा जाय तो फिनलैंड देश भले ही एक छोटा देश है लेकिन अपने यहां बुजुर्गों के लिए जैसी सुविधाएं वहां विकसित की जा चुकी है उससे हमारे शहरों और स्थानीय प्रशासन के लिए काफी कुछ सीखने लायक है। जापान के अलावा फिनलैंड सबसे ज्यादा बुजुर्ग आबादी वाले देशों में से है। बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं और सोशल सिक्योरिटी सिस्टम के कारण यहां लोगों की लाइफ एक्सपेटेंसी 84 साल है।फिनलैंड में 60 साल से अधिक उम्र का हर शख्स ओल्ड एज पेंशन का हकदार होता है। फिनलैंड की राजधानी हेलसिंकी में वहां के स्थानीय प्रशासन की ओर से बुजुर्ग लोगों के लिए ओल्ड एज पेंशन की 1888 यूरो की हर महीने व्यवस्था है जो कि भारतीय रुपये में एक लाख 65 हजार रुपये बनता है वो भी हर महीने। इसके अलावा सिटी प्रशासन की ओर से बुजुर्गों को फिजिकली और सोशली एक्टिव रखने के लिए भी कई तरह के कदम उठाए जाते हैं।

फिनलैंड की आबादी में बुजुर्गों की हिस्सेदारी 27 फीसदी से अधिक है। झीलों के देश फिनलैंड में आपको रोज सुबह बड़ी तादाद में बुजुर्ग लोग साइक्लिंग और स्विमिंग करते मिल जाएंगे। ओल्ड एज होम को बढ़ावा देने की जगह वहां का प्रशासन जहां तक संभव हो पाता है बुजुर्गों को उनके घर पर ही हेल्थ केयर, मेडिकल चेकअप और बाकी सुविधाएं मुहैया कराता है। ताकि यहां के बुजुर्ग लोग अपने घरों में ही आराम से रह सकें। इसके लिए स्थानीय एजेंसियां उनके घर की, सीढ़ियों की, इंटीरियर को भी आकर डिजायन करती हैं ताकि बुजुर्गों को घर में रहते हुए, चलते हुए और जरूरी सामानों को उठाते हुए कम से कम दिक्कत आए।

फिनलैंड में चल रही नेशनल पेंशन स्कीम और सोशल सिक्योरिटी स्कीम को इस तरीके से डिजाइन किया गया है कि ये सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी बुजुर्ग आर्थिक दिक्कत का सामना न कर सके। उनके लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट में डिस्काउंट, स्विमिंग क्लबों, जिम, पार्क, म्यूजियम, लाइब्रेरी, थिएटर आदि जगहों पर छूट के प्रावधान किए गए हैं। यहां तक कि रेसिडेंशियल सोसाइटीज के जरिए उनके लिए सोशल इवेंट और ट्रिप आदी की भी व्यवस्था की जाती है ताकि वे अपने बुढ़ापे को पूरा एंजॉय कर सकें और इसके लिए आर्थिक दिक्कतें उनके रास्ते की बाधा न बनें या परिवार के लोगों पर उनकी निर्भरता न के बराबर हो।

फिनलैंड के शहरों और कस्बों-गावों में ऐसे कार्यक्रमों में भी उनको शामिल करने पर जोर दिया जाता है जहां वे बाकी पेंशनर्स या स्कूली बच्चों के साथ मिल-जुल सकें। ये सब स्थानीय प्रशासन की ओर से उनके जीवन को एक्टिव बनाए रखने के लिए किया जाता है। बुजुर्गों को जरूरी सलाह एक जगह मिल जाए इसके लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म भी डेवलप किया गया है।

फिनलैंड में हाउसिंग सेक्टर्स को भी इस तरह की व्यवस्था करने को कहा गया है कि वे ऐसी हाउसिंग सोसाइटीज डेवलप करें जहां बुजुर्ग अपने जैसे लोगों के साथ एक जगह रह सकें। या युवा आबादी-छात्रों के साथ कंबाइंड रिहायश उन्हें मिल सके और अकेलेपन का शिकार होने से वे बच सकें। इतना ही नहीं हेलसिंकी शहर में 63 कोहाउसिंग फैसिलिटी ऐसी डेवलप की गई हैं जहां व्हीलचेयर से हर जगह आसानी से जाया जा सकता है। यानी जो बुजुर्ग चल फिर नहीं सकते उन्हें भी रोजमर्रा के काम में कोई दिक्कत न आए। 65 साल से अधिक उम्र के उन लोगों के लिए जिन्हें मेडिकल निगरानी की जरूरत है हेलसिंकी की एजेंसियां ऑन डोर सर्विस मुहैया कराती हैं। बुजुर्ग लोग अपने घर पर ही सेफ्टी और केयरिंग के साथ रह सकें इसके लिए 24-Hour केयरिंग सुविधा दी गई है। बुजुर्गों के लिए कोहाउसिंग, कम्युनिटी फूड, लॉन्ड्री, होम क्लीनिंग और क्लोथिंग सर्विस मुहैया कराई जाती है। इसके अलावा रोजाना घर पर मेडिकल चेकअप के लिए नर्सिंग सुविधा और सोशल सिक्योरिटी सर्विस मुहैया कराई जाती है। इसके अलावा प्राइवेट रिटायरमेंट होम का ऑप्शन भी कई लोगों के लिए मुहैया कराया जाता है। बुजुर्गों के लिए रोजमर्रा के कामों में मदद के लिए फिनलैंड के शहरों में होम सर्विसेज की भी व्यवस्था है। जैसे वॉशिंग, ड्रेसिंग और खाने से जुड़ी मदद भी घर पर मुहैया कराई जाती है। इसके अलावा सपोर्ट सर्विस जैसे क्लीनिंग, शॉपिंग, सिक्योरिटी और ट्रांसपोर्ट सेवाएं भी कम्युनिटी सर्विस के आधार पर घरों पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित कराया जाता है। टेंपररी होम केयर सर्विस की फीस सबके लिए समान होती है लेकिन रेगुलर होम केयर सर्विस के लिए म्यूनिसपलिटीज को लोगों को अधिक फीस देनी होती है। म्यूनिसिपलिटीज की ओर से बुजुर्गों को मिले सर्विस वाउचर का इस्तेमाल अलग-अलग सुविधाएं लेने में किया जा सकता है।

बीमार लोगों के लिए फिनलैंड की म्यूनिसिपलिटीज की सेवाएं भी उपलब्ध रहती है। अगर आप अस्वस्थ महसूस कर रहे हैं तो हेल्थ सेंटर से संपर्क कर सकते हैं। वहां से जरूरी सूचना, चेकअप, इलाज और दवाएं मुहैया कराई जाती हैं। ये सभी के लिए एक जैसी होती है। खासकर बुजुर्गों की स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए अलग से मॉनिटरिंग सिस्टम बनाई गई है। म्यूनिसिपलिटीज की ओर से बुजुर्गों को हेल्थ अलाउंस की भी व्यवस्था है यानी ऐसी राशि जो आप आवेदन देकर मांग कर सकते हैं अपने हेल्थ केयर के लिए। इन सबके अलावा बुजुर्गों के लिए डे टाइम एक्टिविटी की व्यवस्था भी कई शहरों की म्यूनिसिपलिटीज की ओर से की गई हैं। डे टाइम एक्टिविटी के लिए रजिस्टर होने वाले बुजुर्गों के लिए ट्रांसपोर्ट, खाना, व्यायाम, आदि की व्यवस्था की जाती है।

अगर भारत में भी बुजुर्गों की जिंदगी बेहतर बनानी है उन्हें बुढापे को एंजॉय करने का मौका देने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकारों और स्थानीय म्यूनिसिपलिटीज की ओर से क्या सुविधाएं मुहैया कराई जानी चाहिए इसके लिए फिनलैंड की सोशल सिक्योरिटी सिस्टम एक बड़ा उदाहरण साबित हो सकता है। हालांकि, यहां की बड़ी आबादी को देखते हुए ये आसान काम तो नहीं है लेकिन अगर इस दिशा में पहल हो तो ये उतना मुश्किल भी नहीं है। ये पहल इसलिए भी जरूरी है कि एक समाज-एक देश के रूप में हम अपनी बुजुर्ग आबादी को उनकी जिंदगी की सेकंड इनिंग को शानदार बनाने में मददगार हो सकें। हाल ही में मोदी सरकार ने 70 वर्ष से ऊपर के बुजुर्गों को मुफ्त 5 लाख का बीमा देने का ऐलान किया है जो अपर्याप्त है यह सभी 60 वर्ष से ऊपर के बुजुर्गों के लिए होना चाहिए।

पीएचडी छात्रों के लिए राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा के मायने

-ललित गर्ग

नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट जिसे यूजीसी नेट या एनटीए-यूजीसी-नेट के रूप में भी जाना जाता है, कॉलेज और विश्वविद्यालय स्तर के लेक्चररशिप के लिए योग्यता और भारतीय नागरिकों के लिए जूनियर रिसर्च फेलोशिप के पुरस्कार के लिए निर्धारित करने के लिए एक परीक्षा है। इसका उद्देश्य शिक्षण व्यवसायों और अनुसंधान में प्रवेशकों के लिए न्यूनतम मानक सुनिश्चित करना है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की ओर से, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) सहायक प्रोफेसर के लिए पात्रता या केवल जूनियर रिसर्च फेलोशिप और सहायक प्रोफेसर की योग्यता के लिए भारतीय विश्वविद्यालयों और कॉलेजों दोनों में भारतीय नागरिकों की पात्रता निर्धारित करने के लिए परीक्षण आयोजित करती है। पारंपरिक रूप से जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) और सहायक प्रोफेसरशिप पात्रता के लिए उपयोग की जाने वाली राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एनईटी) अब भारत में पीएचडी प्रवेश के लिए एक प्रमुख मानदंड बन गई है। इस बदलाव ने अकादमिक समुदाय के भीतर इस चिंता के कारण काफी बहस छेड़ दी है कि क्या परीक्षण वास्तविक शोध क्षमता की पहचान करने के लिए उपयुक्त है। नेट एक बहुविकल्पीय प्रश्न (एमसीक्यू) आधारित परीक्षा है जो मुख्य रूप से स्मृति और याददाश्त जैसी निचले क्रम की संज्ञानात्मक क्षमताओं का आकलन करती है। ये क्षमताएँ कुछ संदर्भों में उपयोगी हैं लेकिन डॉक्टरेट स्तर के अनुसंधान के लिए आवश्यक महत्त्वपूर्ण सोच, रचनात्मकता और विश्लेषणात्मक कौशल का मूल्यांकन करने में कम पड़ जाती हैं।

पीएचडी अनुसंधान जटिल विचारों, मौजूदा ज्ञान के महत्त्वपूर्ण विश्लेषण और मूल अंतर्दृष्टि में योगदान करने के लिए रचनात्मकता की मांग करता है, विशेष रूप से साहित्य, सामाजिक विज्ञान और मानविकी जैसे विषयों में तथ्यात्मक स्मरण और तुच्छ प्रश्नों पर नेट का ध्यान उम्मीदवारों की प्रदर्शन करने की क्षमता को कमजोर करता है। सूक्ष्म तर्क विकसित करने और व्यापक सैद्धांतिक अवधारणाओं के साथ जुड़ने की उनकी क्षमता। नेट स्कोर पर निर्भरता से हाशिए पर रहने वाले समुदाय असमान रूप से प्रभावित होते हैं। इन छात्रों को अक्सर प्रणालीगत बाधाओं का सामना करना पड़ता है, जैसे संसाधनों तक सीमित पहुँच और उच्च लागत वाली कोचिंग, जो नेट पास करने के लिए तेजी से आवश्यक होती जा रही हैं। परिणामस्वरूप, इन पृष्ठभूमियों के प्रतिभाषाली व्यक्तियों को उनकी बौद्धिक क्षमता के बावजूद पीएचडी कार्यक्रमों से बाहर रखा जा सकता है।

नेट के माध्यम से पीएचडी प्रवेश के केंद्रीकरण से उच्च शिक्षण संस्थानों की स्वायत्तता को खतरा है। परंपरागत रूप से, विश्वविद्यालयों को अपने शोध प्रस्तावों, साक्षात्कार और अनुशासन-विशिष्ट परीक्षणों के आधार पर उम्मीदवारों का चयन करने की स्वतंत्रता है। यह स्वायत्तता संस्थानों को उन उम्मीदवारों को भर्ती करने की अनुमति देती है जो उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप होते हैं। एक आकार-सभी के लिए उपयुक्त दृष्टिकोण के माध्यम से प्रवेश को केंद्रीकृत करने से उच्च गुणवत्ता वाले शैक्षणिक अनुसंधान के लिए महत्त्वपूर्ण विविधता और नवाचार के क्षीण होने का जोखिम होता है, जैसे कि सामान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी) ने पहले ही भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली में संस्थागत स्वायत्तता के क्षरण के बारे में चिंता जताई है।

नेट प्रणाली छात्रों को डॉक्टरेट अनुसंधान की कठोरता के लिए तैयार नहीं करती है। पीएचडी उम्मीदवारों से अपेक्षा की जाती है कि वे मूल अंतर्दृष्टि प्रदान करें, सहकर्मी-समीक्षित पत्रिकाओं में प्रकाशित करें और विद्वानों के प्रवचन में संलग्न हों-प्रतिभाषाली छात्रों का विदेश में पलायन पीएचडी कार्यक्रमों के लिए संस्थानों को घरेलू प्रणाली की सीमाओं के लिए ज़िम्मेदार ठहराया जा सकता है, जहाँ मानकीकृत परीक्षण पर जोर को रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को दबाने के रूप में देखा जाता है। नेट पर बढ़ती निर्भरता अनजाने में भारत में शोध के दायरे को सीमित कर सकती है। अनुसंधान विचार, कार्यप्रणाली और परिप्रेक्ष्य की विविधता पर पनपता है। नेट जैसे मानकीकृत परीक्षण, जो आलोचनात्मक सोच पर याद रखने को प्राथमिकता देते हैं, ऐसे विद्वान पैदा कर सकते हैं जो परीक्षा उत्तीर्ण करने में माहिर हैं लेकिन ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाने की क्षमता का अभाव है, पूछताछ की यह संकीर्णता नवाचार और मूल विचारों के विकास, दोनों को सीमित कर सकती है शैक्षणिक क्षेत्रों में प्रगति के लिए महत्त्वपूर्ण हैं।

नेट पर बढ़ती निर्भरता अनजाने में भारत में शोध के दायरे को सीमित कर सकती है। अनुसंधान विचार, कार्यप्रणाली और परिप्रेक्ष्य की विविधता पर पनपता है। नेट जैसे मानकीकृत परीक्षण, जो आलोचनात्मक सोच पर याद रखने को प्राथमिकता देते हैं, ऐसे विद्वान पैदा कर सकते हैं जो परीक्षा उत्तीर्ण करने में माहिर हैं लेकिन ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाने की क्षमता का अभाव है, पूछताछ की यह संकीर्णता नवाचार और मूल विचारों के विकास, दोनों को सीमित कर सकती है शैक्षणिक क्षेत्रों में प्रगति के लिए महत्त्वपूर्ण हैं। पीएचडी प्रवेश के लिए प्राथमिक मानदंड के रूप में राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एनईटी) का उपयोग अकादमिक जांच और आलोचनात्मक सोच के दायरे को सीमित कर रहा है।

संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा के कई शीर्ष विश्वविद्यालय पीएचडी प्रवेश के लिए समग्र दृष्टिकोण का उपयोग करते हैं। इसमें उम्मीदवार के शोध प्रस्ताव, व्यक्तिगत बयान, अनुशंसा पत्र और अकादमिक इतिहास की विस्तृत समीक्षा शामिल है, जर्मनी में छात्र स्नातक अध्ययन से सीधे पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश कर सकते हैं, बशर्ते वे असाधारण शोध क्षमता और अकादमिक प्रदर्शन प्रदर्शित करें)) विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों को पीएचडी कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित करना। आवेदकों का मूल्यांकन अनुसंधान में विभिन्न दृष्टिकोण लाने की उनकी क्षमता के आधार पर किया जाता है, जिसे अंतःविषय अध्ययन के लिए मूल्यवान माना जाता है। स्वीडन, फिनलैंड और डेनमार्क जैसे देशों में, विश्वविद्यालय यह सुनिश्चित करने के लिए उद्योग भागीदारों के साथ सहयोग करते हैं कि पीएचडी उम्मीदवार वास्तविक दुनिया के साथ अनुसंधान परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। एप्लिकेशन। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर (एनयूएस) उन छात्रों को प्रदर्शन-आधारित फेलोशिप प्रदान करता है जो अपने अकादमिक रिकॉर्ड, साक्षात्कार और प्रकाशनों के माध्यम से मजबूत शोध का वादा दिखाते हैं।

शिक्षा और अनुसंधान में भारत की वैश्विक आकांक्षाओं के लिए पीएचडी प्रवेश के लिए अधिक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है-जो रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और अकादमिक अनुसंधान में योगदान करने की क्षमता को महत्त्व देता है। व्यापक प्रवेश प्रक्रिया को अपनाकर, भारत अपने प्रतिभाषाली दिमागों को बरकरार रख सकता है, उच्च शिक्षा तक समावेशी पहुँच सुनिश्चित कर सकता है और अकादमिक अनुसंधान में विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना रह सकता है। वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए, भारत को एक समग्र प्रवेश प्रक्रिया अपनानी होगी जो अनुसंधान में नवाचार, रचनात्मकता और विविध दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करती है।

साहित्य और सनातन संस्कृति की वर्तमान में सार्वभौमिक स्वीकार्यता

संजीव ठाकुर

मुंशी प्रेमचंद जी ने साहित्य को ₹जीवन की आलोचना₹ भी कहा है। साहित्य एक स्वायत्त आत्मा है, और उसकी सृष्टि करने वाला भी ठीक से नहीं घोषणा कर सकता है कि उसके द्वारा रचे गये साहित्य की अनुगूंज कब और कहां तक जाएगी। इस तरह साहित्य का सत्य समाज की नैतिक चिंता है। समाज की विसंगतियों को दूर करने वाला एक बड़ा रक्षक भी है।साहित्य सत्य की साधना शिवत्व की कामना और सौंदर्य की अभिव्यंजना है' शुद्ध, जीवंत एवं उत्कृष्ट साहित्य मानव एवं समाज की संवेदना और उसकी सहज वृत्तियों को युगों युगों तक जनमानस में संचारित करता आ रहा है और यही कारण है कि कालिदास, सूरदास, कबीर, प्रेमचंद, शेक्सपियर की कृतियाँ आज भी लोगों के मध्य अपनी रस सुधा से हृदय को भिगोती रहती है' राजनैतिक और भौगोलिक दृष्टि से विश्व कितने ही भागों में बट जाए, मतभेद और विवादों की खाई कितनी भी गहरी हो जाए, पर साहित्य धरातल पर सब सामान्य और एक हैं। दुनिया में मानव एक है जिसकी रचनाएं सभी जगह एक और समान है' यह भी सत्य है कि किसी भी देश की भाषा और साहित्य के अध्ययन के आधार पर वहां की सभ्यता संस्कृति के विकास का सहज विधि का अनुमान लगाया जा सकता है। साहित्य में मानवीय समाज के सुख-दुख, आशा निराशा, उत्थान पतन का स्पष्ट चित्रण होता है। साहित्य की इन्हीं विशेषताओं के कारण साहित्य कालजई और सास्वत होता है। प्राचीन मनीषियों द्वारा लिखा गया साहित्य अत्यंत आकर्षक एवं प्रिय इसलिए भी लगता है कि मनुष्यता का एक संपूर्ण चरित्र चित्रण होता है। साहित्य और संस्कृति एक दूसरे से गहरे जुड़े हुए हैं। मानवी जीवन की तरह साहित्य मैं भी संघर्ष और निरंतरता की निरंतरता समाहित होती है। समय और परिस्थिति की संस्कृति का प्रभाव साहित्य पर निरंतर परिलक्षित होता रहता है। यह साहित्य ही है जो वर्तमान को सामने रख भविष्य की रूपरेखा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। समाज की सुषुप्त विवेक शक्ति को जागृत कर समाज का दिशा दर्शन भी करता है। अपने समय की विसंगतियों को दूर करने के साथ ही गुणात्मक साहित्य सदैव प्रासंगिक बना रहता है। समाज और जनमानस को आलोक स्तंभ की तरह पल्लवित एवं प्रकाशित करता है। वर्तमान के भौतिक समय में जब मानवता और संवेदना की पीड़ा की गूंज सभी जगह फैली हुई है, ऐसे में सत साहिब से और अवार्चीन संस्कृति दिशा दर्शन और माननीय संवेदनाओं को संबल देने में अत्यंत प्रासंगिक भी है। यह कतई कहने की आवश्यकता नहीं है कि श्रेष्ठ साहित्य वही है जो मनुष्य के भीतर और बाहर प्रासंगिक मूल्यों,संदेश और उद्देश्यों को समाए रखता है। कबीर दास रविंद्र नाथ टैगोर, शरद चंद, जयशंकर प्रसाद, रेणु, प्रेमचंद, शेक्सपियर, होमर, मिल्टन आदि का साहित्य जनमानस के मन में और जीवन में रच बस गया है। इन्होंने प्रतिभा सापेक्ष श्रेष्ठ रचनाएं समाज को दी हैं। और यही कारण है इनकी रचनाओं से संस्कृति की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। साहित्य सदैव सामाजिक प्रक्रिया के आर्थिक राजनीतिक और समकालीन विचारधारा से बहुत ज्यादा प्रभावित रहा है। उनको प्रभावित भी करता है। इस तरह साहित्य संस्कृति के परिपेक्ष में देश कालिक होता है। शाहिद आदर्शवादी हो या आशावादी इस संदर्भ में अलग-अलग विद्वानों के अलग-अलग मत हैं। इस जीवन की आपाधापी में जहां निराशा कुंठा और सामाजिक अंधविश्वास का भ्रम फैला है। वहां आशावादी दृष्टिकोण साहित्य के दायित्व को और गहरा बनाता है। इन दोनों बातों के समाधान के लिए जयशंकर प्रसाद की चंद पंक्तियां बहुत ही प्रासंगिक होगी कि ₹जीवन की अभिव्यक्ति यथार्थवाद है और अभाव की पूर्ति आदर्शवाद। साहित्य की पूर्णता के लिए यथार्थवाद और आशावाद दोनों का समन्वित रूप होना चाहिए₹, वास्तव में संस्कृति साहित्य के लिए एक प्रेरणा है ।और संस्कृति साहित्य पर समय और काल पर अवलंबित होती है। साहित्य और संस्कृति दूसरे एक दूसरे के निश्चित तौर पर पूरक हैं। वर्तमान संदर्भ में ज्यादा प्रासंगिक भी। आशा करते हैं कि हिंदी साहित्य वैश्विक फलक पर बहुत ही शीघ्र अपना परचम स्थापित करेगा।

अच्छे मार्ग से भटक गए बच्चों को नई दिशा दिखाना

-विक्रम दयाल

-विक्रम दयाल

आजकल देश में बढ़ते अपराध, गैंगरेप, बलात्कर, लूटपाट, सूटर्स जैसे अन्य छोटी बड़ी घटनाओं को अंजाम देने वाले युवक हैं, या नवयुवक या कम उम्र के बच्चे जो ऐसे कार्य कर रहे हैं. यह एक गंभीर चिंता का विषय है. यह सब घटनायें मीडिया या न्यूज पेपरों के ही द्वारा जनता तक पहुँच रही है. जिन लड़कों की उम्र अभी पढ़ने लिखने की होती है या कुछ अच्छी योग्यतायें लेकर आगे बढ़ने की होती है वह बच्चे बड़े ही सरलता और सफलता से ऐसे घृणित कार्य कर गुजरते हैं. जो अपने आतंक से समाज को आतंकित करके, सामाजिक भाई-चारा, प्यार-मोहब्हत, समरसता, और एकजुटता में मतभेद पैदा करने में अहम भूमिका निभाने में पारंगत हो रहे हैं. और तो और वे बड़ी ही कुशलता से जनता को आपस में लड़ाने और आतंकित करने में भी सफल हो रहे हैं. वह बच्चे जिन घरों में पैदा हुए होते हैं उनसे उनके माता पिता भी सुखी रहने के बजाय सदा दुखी ही रहते हैं. उनके माता पिता उन बच्चों के पैदा होने पर ढ़ेर सारी खुशियाँ भी मनाई होगी, और बडे बडे सपने भी देखें होंगे, और उन बच्चों के पालन पोषण में कोई कसर भी नही छोड़ी होगी. लेकिन उनके माता पिता को क्या पता था कि उनके बच्चे बड़े होने पर अच्छाई के रास्ते से भटक कर बुराई के रास्ते पर चलने लगेगें. और अपने ही माता पिता और परिवार को घोर संकट में डाल देगें. आजकल बहुत सारे घर, माता पिता, ऐसे बच्चों से दुखी मिल जायेंगे. सामाजिक अपमान भी सहते होंगे. कभी कभी घर के हालात भी बच्चों को घृणित या गलत काम करने के लिए मजबूर कर देते हैं. जैसे कि खर्च के लिए पैसे नही मिलना, अच्छे कपड़े लत्ते नही मिलना, शान शौकत के लिए अन्य सुविधायें नही मिल पाना बच्चों के बिगड़ने का खाश कारण होजाता है.वैसे तो हर माता पिता अपने बच्चों की अच्छी देखभाल अपनी हैसियत के अनुसार करते ही हैं. मगर कभी कभी बच्चों की बड़ी बड़ी ख्वाहिशें पूरी करने में असमर्थ होजाते हैं आधुनिक युग में फैसन और पैसों का अधिक महत्व है जिसे पाने के लिए आजकल के खुले दिमाग के बच्चे नये नये रास्ते अपनाने लगे हैं जैसे कि छोटे बडे. अपराध इत्यादि. सरकार ने परिवार को पालने के लिए अनाज आदि तो दे रही है. लेकिन बच्चों की शान शौकत के लिए कोई अनुदान नही देती है. शिक्षा या ऊँची शिक्षा के लिए या कोई और तकनीकी सीखने के लिए सरकार प्रोत्साहन देती है. मगर सीखने वाला या शिक्षा ग्रहण करने वाला बच्चा तो होना चाहिए? जो सरकारी अनुदान ग्रहण कर सके. गलत रास्ते पर चल रहे बच्चों को सरकार या सरकारी एजेंसियाँ उचित और सही मार्गदर्शन करने के लिए पहल करती आरही है. इस मामले में पक्ष और विपक्ष के नेताओं के नेतृत्व की भी जरूरत है. जो ऐसे बच्चों को सही दिशा दिखला सकते हैं. अतः समाज के लोग भी ऐसे बच्चों को सही मार्ग पर दिखला सकते हैं. भविष्य मे अपराधिक कार्यों पर लगाम लगाने के लिए ठोस कार्य किए जारहे हैं मगर वह देश में बढ़ते अपराध के लिए आज नाकाफी हैं.

शिवतेज मित्र मंडल व अरोग्य संपदा आयुर्वेदिक सेंटर द्वारा 25 अक्टूबर को नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

पालघर (उत्तरशक्ति)। शिवतेज मित्र मंडल व अरोग्य संपदा आयुर्वेदिक सेंटर बोईसर की ओर से शुक्रवार 25 अक्टूबर 2024 को सुबह 10 बजे शाम 6 बजे तक पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत धर्मनगरी आजाद नगर में स्थित काशी विश्वनाथ मंदिर एवं शीतला माता मंदिर के सभागार में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जायेगा। इस नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन वेलनेस कोच व हेल्थ एडवाइजर डॉण्योगेश बनकर तथा उनकी टीम की उपस्थिति में होगा। उक्त आशय की जानकारी देते हुए काशी विश्वनाथ मंदिर एवं शीतला माता मंदिर के संस्थापक केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन अध्यक्षए शिवतेज मित्र मंडल अध्यक्ष व भाजपा नेता तुलसीराम केवट ने बताया कि वेलनेस कोच व हेल्थ एडवाइजर डॉण्योगेश बनकर की विशेष उपस्थिति में लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण आयुर्वेदिक पद्धति से किया जायेगा और सभी मरीजों की चिकित्सा आयुर्वेद पद्धति के द्वारा की जायेगी। शिविर में शामिल लोगों की मधुमेहए पथरीए संधिवातएथायराइडए अस्थमाए बालों के झड़नाए बवासीरए एसिडिटीए मासिक धर्मए महिला विकारए त्वचारोग आदि बीमारियों की जांच कर संबंधित रोगियों को इलाज हेतु मुफ्त सलाह के अलावा आयुर्वेदिक दवाएं भी दी जाएंगी। शिविर में 12 वर्ष से अधिक उम्र के सभी वर्ग के लोग इस आयुर्वेदिक पद्धति वाले स्वास्थ्य जांच शिविर में शामिल हो कर लाभ प्राप्त कर सकते हैं।आयुर्वेदिक पद्धति वाले स्वास्थ्य जांच शिविर के मुख्य आयोजक तुलसीराम केवटए अरोग्य संपदा आयुर्वेदिक सेंटर बोईसर के संचालक वसंत बोरूडे व सहयोगी राजेंद्र पाटील ने इस शिविर में ज्यादा से ज्यादा लोगों को शामिल होकर लाभ उठाने की अपील की है।

मुंबई पुलिस ने 'गंदी बात' मामले में एकता कपूर से पूछताछ की, पास्को एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया

मुंबई। मुंबई पुलिस ने मंगलवार को गंदी बात मामले में निर्माता एकता कपूर और उनकी मां शोभा कपूर से पूछताछ की। बता दें कि ALT Balaji वेब सीरीज 'गंदी बात' के एक एपिसोड में नाबालिग लड़कियों के साथ कथित तौर पर अश्लील हरकतें करने के आरोप में मां-बेटी की जोड़ी पर पास्को एक्ट के तहत आरोप लगाए गए थे। मुंबई पुलिस ने एकता कपूर, शोभा कपूर और ऑल्ट बालाजी फर्म के खिलाफ शिकायत दर्ज करने के लिए पास्को एक्ट का इस्तेमाल किया। निर्माताओं को 22 अक्टूबर को पहले दौर की पूछताछ के लिए बुलाया गया था और मुंबई पुलिस द्वारा खुलासा किए जाने के अनुसार उन्हें 24 अक्टूबर को फिर से पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

ओटीटी प्लेटफॉर्म ऑल्ट बालाजी की वेब सीरीज 'गंदी बात' के एपिसोड में नाबालिग लड़कियों के अश्लील दृश्य दिखाने के आरोप में ऑल्ट बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड की एकता कपूर और उनकी मां शोभा कपूर के खिलाफ 20 अक्टूबर को मुंबई के एमएचबी पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 295-ए, आईटी एक्ट और पोक्सो एक्ट की धारा 13 और 15 के तहत मामला दर्ज किया गया था। हालांकि, यह विवादित एपिसोड फिलहाल इस ऐप पर स्ट्रीम नहीं हो रहा है।

शिकायतकर्ता ने अपनी शिकायत में कहा था कि बालाजी टेलीफिल्म्स की वेब सीरीज 'गंदी बात' के सीक्वल में सहायक कलाकारों द्वारा अश्लील दृश्य पेश करने का मामला दर्ज किया गया है। उनका कहना है कि सीरीज से उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। दर्ज एफआईआर में कहा गया था कि सीरीज में 11वीं और 12वीं कक्षा के बच्चों के बोल्ड कंटेंट के निर्माण पर आपत्ति जताई गई है, जिनकी उम्र आमतौर पर 16, या 17 साल होती है। हालांकि, शिकायतकर्ता द्वारा दर्ज कराई गई यह शिकायत बहुत ही तकनीकी शब्दों में है, क्योंकि अभिनय करने वाले कलाकारों की उम्र बहुत अधिक हो सकती है।

शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि उन्होंने बिना डिस्क्लेमर दिए, सिगरेट और शराब पीने के दृश्य दिखाए हैं। फिलहाल पुलिस ने बाल संरक्षण अधिनियम की धारा 13, नाबालिग बच्चों के यौन शोषण की धारा 15, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 - 67 (ए), बीएनएस की धारा 295 (ए) और अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

खाना बनाते समय बर्तन में गिरी चार साल की बच्ची, झुलसने से हुई मौत

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर जिले में सब्जी पकाते समय एक बर्तन में गिरने से चार साल की बच्ची गंभीर रूप से झुलस गई जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वाथोडा थाने के एक अधिकारी ने बताया कि बच्ची ने सोमवार सुबह अस्पताल में दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि यह घटना 14 अक्टूबर को हुई जब श्रवण नगर निवासी त्रिशा बालू पनबुडे अन्य बच्चों के साथ खेल रही थी। अधिकारी ने बताया कि पड़ोस में एक समारोह के लिए सब्जियां पकाई जा रही थीं और बच्ची गलती से एक बर्तन में गिर गई। आसपास खड़े लोगों ने उसे तुरंत बाहर निकाला, लेकिन वह गंभीर रूप से झुलस चुकी थी और उसे अस्पताल ले जाया गया। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिवसहाय सिंह राणा की 40 सालों की निष्ठा पर जनता को पूरा भरोसा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पिछले 40 वर्षों से कांग्रेस के एक निष्ठावान सिपाही के रूप में काम करने वाले शिवसहाय सिंह राणा एक ऐसे उत्तर भारतीय नेता हैं, जिन पर जनता पूरा विश्वास करती है। कांग्रेस की खराब होती स्थिति के साथ-साथ जहां एक तरफ बड़े-बड़े उत्तर भारतीय दूसरी पार्टियों का दामन पकड़ते रहे वहीं राणा कांग्रेस के एक निष्ठावान सिपाही के रूप में लगातार पार्टी के लिए जनता के बीच काम करते रहे। यही कारण है कि जनता उनकी अटूट निष्ठा को देखते हुए उन पर पूरा भरोसा करती है। 160, कांदिवली पश्चिम विधानसभा से टिकट के लिए उन्होंने दावेदारी पेश की है। यहां की जनता को पूरा भरोसा है कि उनकी निष्ठा और जनता के बीच लगातार किए गए कार्यों को देखते हुए उन्हें टिकट अवश्य मिलेगा। निर्दलीय नगरसेवक के रूप में राजनीतिक पारी शुरू करने वाले राणा की उत्तर भारतीय समाज में अच्छी पैठ मानी जाती है। लोकसभा चुनाव के दौरान भी उन्होंने उत्तर मुंबई से दावेदारी पेश की थी, परंतु उस वक्त उन्हें आश्वासन देकर मराठी चेहरा को टिकट दिया गया। इसका खामियाजा भी कांग्रेस को भुगतना पड़ा। उत्तर मुंबई को उत्तर भारतीयों का गढ़ माना जाता है। कांदिवली, बोरीवली तथा मलाड दिंडोशी इलाकों में 30 से 35 प्रतिशत उत्तर भारतीय मतदाता हैं। शिवसहाय सिंह राणा उत्तर भारतीय समाज के लोकप्रिय और बेदाग चेहरा माने जाते हैं। यही कारण है कि जनता के साथ-साथ राजनीति से जुड़े लोगों का भी मानना है कि राणा को टिकट देने से कांग्रेस को फायदा होगा। पिछले कुछ वर्षों से उत्तर भारतीय नेताओं को साइड लाइन करने का प्रयास किया गया, जिसे लेकर भी उत्तर भारतीय समाज के मतदाताओं में आक्रोश देखा जा रहा है। प्रबुद्ध उत्तर भारतीय मतदाताओं का मानना है कि यदि भाजपा का मुकाबला करना है और जीत हासिल करनी है तो उत्तर भारतीय 2 . 3 हिंदू चेहरे को मैदान में उतारा जाए। ऐसे में राणा को टिकट देने से न सिर्फ कांदिवली पश्चिम विधानसभा में फायदा मिलेगा, अपितु अन्य विधानसभा में भी इसका प्रभाव पड़ेगा। उत्तर भारतीयों के साथ-साथ अन्य समाज के लोगों का भी राणा को पूरा समर्थन है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व मंत्री नसीम खान और महाराष्ट्र अध्यक्ष नाना पटोले लगातार उनकी सराहना करते रहे हैं। ऐसे में दोनों नेताओं का उनपर वरदहस्त माना जा रहा है।

सनातन सेना परिवार ने दी रतन टाटा को भावभीनी श्रद्धांजलि

मुंबई (उत्तरशक्ति)। देश के प्रसिद्ध उद्योगपति दिवंगत रतन टाटा को सांताक्रूज में सनातन सेना परिवार द्वारा सांताक्रूज पूर्व मौलाना अबुल कलाम आजाद सभागार में भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सनातन सेना परिवार के महासचिव दीपक सिंह राजपूत की पहल पर देश के प्रसिद्ध उद्योगपति दिवंगत रतन टाटा की स्मृति में भावभीनी श्रद्धांजलि आयोजित की गई। इस मौके पर स्वातंत्र्यवीर सावरकर राष्ट्रीय स्मारक के कार्याध्यक्ष रणजीत सावरकर, कोषाध्यक्ष मंजिरी मराठे, मुंबई भाजपा के प्रवक्ता उदयप्रताप सिंह, सनातन सेना परिवार के अध्यक्ष सुरजीत सिंह, उपाध्यक्ष पंकज सिंह, संजय कृपाशंकर सिंह, रत्नेश सिंह, रामबक्श सिंह, जयप्रकाश बब्बन सिंह, ओपी सिंह, विजय प्रताप सिंह, गजेंद्र सिंह आदि उपस्थित थे।

राजा हरपाल सिंह के प्रपौत्र कुंवर मृगेंद्र सिंह का समरस फाउंडेशन ने किया सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई की यात्रा पर आए सिंगरामऊ रियासत के राजा हरपाल सिंह के प्रपौत्र कुंवर मृगेंद्र सिंह का आज महानगर की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था समरस फाउंडेशन के बोरीवली कार्यालय में भव्य सम्मान किया गया। संस्था के चेयरमैन डॉ किशोर सिंह ने शॉल ओढ़ाकर तथा पुष्प गुच्छ देकर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर संस्था के महासचिव वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, उपाध्यक्ष मानिकचंद यादव, राजेंद्र विश्वकर्मा, सचिव सुरेंद्र पांडे, विधि सलाहकार एड.प्रशांत परदेसी, रवि पांडे समेत अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कुंवर मृगेंद्र सिंह के दादा कुंवर श्रीपाल सिंह स्वतंत्रता पश्चात जनसंघ से लगातार तीन बार विधायक चुने गए थे। पिता कुंवर जय सिंह गोला फेक में विश्व चैंपियन रहे हैं।राजा हरपाल सिंह के नाम पर सिंगरामऊ रेलवे स्टेशन का नाम रखा गया है। राजा हरपाल सिंह इंटर कॉलेज और राजा हरपाल सिंह महाविद्यालय पूर्वांचल के सबसे पुराने शिक्षण संस्थानों में शामिल है, जहां से पढ़े हुए लाखों विद्यार्थी आज देश के विभिन्न प्रांतों में अनेक पदों पर विद्यमान हैं।

पोलियो रोकथाम के लिए यूनाइटेड: टीकाकरण के माध्यम से एक रोकथाम योग्य बीमारी से बचाव

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारत के मेघालय में हाल ही में सामने आया पोलियो का मामला पोलियो माइलाइटिस से उत्पन्न खतरे की स्पष्ट याद दिलाता है। पोलियो एक अत्यधिक संक्रामक वायरल बीमारी है जो मल-मौखिक संचरण के माध्यम से फैलती है, मुख्य रूप से पांच साल से कम उम्र के बच्चों को प्रभावित करती है, और इसके परिणामस्वरूप अपरिवर्तनीय पक्षाघात या मृत्यु भी हो सकती है। एक दशक से अधिक समय से भारत की पोलियो-मुक्त स्थिति के बावजूद, पुनरुत्थान का खतरा बना हुआ है, और निरंतर सतर्कता आवश्यक है।

डॉ. एलएच हीरानंदानी अस्पताल, मुंबई में बाल रोग विशेषज्ञ सलाहकार डॉ. संजीव आहूजा जोर देते हैं, 6 सप्ताह की उम्र से प्रशासित इनएक्टिवेटेड पोलियो वैक्सीन (आईपीवी) ने भारत को एक दशक से अधिक समय तक पोलियो से मुक्त रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस उपलब्धि की रक्षा के लिए, हमें मेहनती रहना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक बच्चे को समय पर टीकाकरण मिले। 12 वर्षों तक पोलियो मुक्त रहने में भारत की सफलता एक असाधारण सार्वजनिक स्वास्थ्य मील का पत्थर है, जो बड़े पैमाने पर व्यापक टीकाकरण अभियानों से प्रेरित है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, भारत में पोलियो उन्मूलन के बदले में, आखिरी मामले तक चार वर्षों के दौरान 172 लाख बच्चों को सालाना

पोलियो वैक्सीन की लगभग 1 अरब खुराक दी गई थी। फिर भी, दुनिया के कुछ हिस्सों में पोलियो के फिर से उभरने की हालिया घटनाएं एक महत्वपूर्ण चिंता पैदा करती हैं: भारत अपनी सतर्कता को कम नहीं होने दे सकता। डॉ. आहूजा कहते हैं, यद्यपि भारत वर्षों से पोलियो मुक्त है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय यात्रा और प्रवास के माध्यम से पोलियो के पुनः शुरू होने का खतरा बना हुआ है। हमारे टीकाकरण कवरेज में कोई भी अंतराल हमें वायरस के दोबारा फैलने के खतरे में डाल सकता है।

इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स एडवाइजरी कमेटी ऑन वैक्सीन्स एंड इम्यूनाइजेशन प्रैक्टिसेज (आईएपी एसीवीआईपी) अनुशंसित टीकाकरण कार्यक्रम का सख्ती से पालन करने की आवश्यकता पर जोर देती है। इसमें मौखिक पोलियो वैक्सीन (ओपीवी) की जन्म खुराक, 6, 10 और 14 सप्ताह पर एक निष्क्रिय पोलियो वैक्सीन (आईपीवी), इसके बाद 16-18 महीने पर बूस्टर और फिर 4-6 साल पर बूस्टर शामिल है। इस अनुसूची का पालन व्यक्तिगत और सामूहिक प्रतिरक्षा बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

आकाशीय बिजली गिरने से बेघर हुए आदिवासी परिवार से मुलाकात कर कुंदन संखे ने की आर्थिक मदद

पालघर (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिले के दहानू तहसील अंतर्गत कासा वैती के बुंदेपाड़ा में स्थित मनुका कमलाकर बहोटा नामक आदिवासी महिला के मकान पर आकाशीय बिजली गिरने की वजह से घर में आग लग गई और जिसकी वजह से घर समेत उसमें रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया। इस दुःखद एवं असहनीय घटना की जानकारी शिवसेना शिंदे गुट के जिला प्रमुख कुंदन संखे को मिलने पर उन्होंने तुरंत पीड़ित आदिवासी परिवार से मुलाकात करने हेतु रवाना हुए और उस पीड़ित महिला आदिवासी परिवार के घर पहुंचकर उन्हें हर संभव मदद करने का भरोसा देते हुए उन्हें ढाढस बंधाया। इस दौरान शिवसेना शिंदे गुट पालघर जिला प्रमुख कुंदन संखे ने दहानू तहसील के तहसीलदार सुनील कोली के साथ दूरभाष के माध्यम से संपर्क साधते हुए उस पीड़ित आदिवासी परिवार को तत्काल सहायता पहुंचाने का अनुरोध भी किया। वहीं शिवसेना शिंदे गुट जिला प्रमुख कुंदन संखे ने स्वयं भी उस पीड़ित आदिवासी परिवार को आर्थिक रूप से सहायता करते हुए उस पीड़ित परिवार पर पहाड़ टूटने जैसी इस दुःखद घड़ी में बड़ी राहत पहुंचाई है।

इस मौके पर शिवसेना शिंदे गुट जिला प्रमुख कुंदन संखे के साथ अन्य शिवसैनिक उपस्थित थे।

जेल एजुकेशन ने एक विशेष गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जेल एजुकेशन ने एक विशेष गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया, जिसमें भारत की प्रमुख यूनिवर्सिटीज के कुलपति और डीन ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम में वित्तीय शिक्षा के भविष्य पर गहन चर्चा की गई, ताकि इसे आधुनिक जरूरतों के अनुसार नई दिशा दी जा सके। डेलॉइट इस आयोजन का प्रमुख भागीदार रहा, जिसका मकसद शिक्षा जगत और उद्योग के बीच सहयोग बढ़ाना था।

इस चर्चा का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि छात्र ग्लोबल वर्कफोर्स की बदलती जरूरतों के अनुकूल तैयार हों और नए-नए शिक्षण तरीकों की खोज कर सकें। सम्मेलन में फिनटेक और ईएसजी (पर्यावरण, समाज और अभिशासन) जैसे नए ट्रेंड्स पर भी चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने वित्तीय पेशेवरों की अगली पीढ़ी को तैयार करने और उन्हें भविष्य की वैश्विक अर्थव्यवस्था की चुनौतियों का सामना करने के लिए सर्वोत्तम तरीके खोजने पर जोर दिया।

जेल एजुकेशन के सीईओ और को-फाउंडर प्रथम बारोट ने सम्मेलन में कहा, हमारा मानना है कि फिनटेक और ईएसजी का भविष्य ऐसे लीडर्स पर निर्भर है, जो व्यवसाय में इन अवधारणाओं को अपनाकर स्थायी मॉडल तैयार कर सकें। उन्होंने कहा, हम विद्यार्थियों को न केवल सैद्धांतिक ज्ञान बल्कि प्रायोगिक कौशल भी सिखा रहे हैं, ताकि वे वास्तविक अनुभव से सीख सकें। हमारे उद्योग भागीदारों के सहयोग से हम ऐसे शैक्षणिक रास्ते बना रहे हैं, जो विद्यार्थियों को भविष्य की वित्तीय चुनौतियों के लिए तैयार करें। हमारा उद्देश्य है कि वे सक्षम पेशेवरों के साथ-साथ इनोवेटिव लीडर्स भी बनें, जो भविष्य के वित्तीय परिदृश्य को नया आकार दे सकें।

इस सम्मेलन की मुख्य थीम थी ऐसे समाधानों की पहचान करना, जो भविष्य की वित्तीय शिक्षा को नई दिशा दे सकें। जेल एजुकेशन का उद्देश्य है कि शिक्षा को उद्योग की जरूरतों के अनुसार तैयार किया जाए, ताकि विद्यार्थी जरूरी कौशल सीख सकें और तेजी से बदलते पेशेवर माहौल में सफल हों।

सम्मेलन में उपस्थित पूर्व कैबिनेट मंत्री और चांसलर सुरेश प्रभु ने वित्तीय शिक्षा में नए दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सैद्धांतिक ज्ञान और प्रायोगिक अनुभव के बीच कोई अंतर नहीं होना चाहिए, खासकर फिनटेक के क्षेत्र में। श्री प्रभु का मानना है कि विद्यार्थियों को भविष्य की वित्तीय चुनौतियों के लिए तैयार करना आज की शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए।

गोलमेज में दो पैनल चचाएं भी हुईं, जो विचारों को प्रेरित करने वाली थीं।

पहली चर्चा में ईएसजी के सिद्धांतों के उद्भव और भारतीय अर्थव्यवस्था में उनकी बढ़ती प्रासंगिकता का मूल्यांकन हुआ। दूसरी पैनल चर्चा नौकरियों के अवसर बनाने और फाइनेंस में मानवीय विशेषज्ञता के महत्व तथा तकनीकी ऑटोमेशन के बीच संतुलन को जानने में फिनटेक की बढ़ती भूमिका पर केन्द्रित थी।

स्तन कैंसर पीड़ित महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए एम्स अस्पताल की अनूठी पहल

डोंबिवली (उत्तरशक्ति)। स्तन कैंसर जागरूकता माह के अवसर पर, एम्स अस्पताल, ने स्तन कैंसर से पीड़ित महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए शक्ति स्तन कैंसर सहायता समूह का गठन किया है। इस पहल का उद्देश्य उपचार के दौरान रोगियों और उनके परिवारों का समर्थन करना है, जिसमें कैंसर से बचे लोगों को भी बीमारी से लड़ने के लिए प्रेरित करना शामिल है।

इस पहल के शुभारंभ पर लगभग 150 कैंसर रोगी और कैंसर से बचे लोग, परिवार और चिकित्सा विशेषज्ञ उपस्थित थे। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता सुहासी रवीन्द्र चव्हाण प्रमुख रूप से उपस्थित थे। इस आयोजन के अवसर पर डॉ. सुप्रिया बम्बारकर (निदेशक-ऑन्कोलॉजी विभाग, ऑन्कोसर्जन), डॉ. निमेश लोध (स्तन सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट) राकेश पाटिल (मेडिकल और हेमेटो ऑन्कोलॉजिस्ट) और डॉ. सागर गायकवाड़ (रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट) और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* संरक्षकः सुरेश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
* प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक) नियर जॉनसन हाऊस, शाप नंबर - 21, उन्नति सी.एच.एस. सेनापति बापट मार्ग, माहिम (वेस्ट) मुंबई-400016
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

स्वामी- शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविन्द्रनाथ प्रजापति द्वारा एस.आर. पब्लिकेशन मोहन अर्जुन कम्पाउंड गोडाउन नं.-08,09,10 नियर घर्टनपाड़ा वैशाली नगर लास्ट बस स्टाफ दहिसर (ई.) मुंबई 400068 से मुद्रित एवं 103, प्रथम फ्लोर बी विंग एयरपोर्ट ब्यू सी.एच.एस. लि. वीर मकरन्द घानेकर मार्ग आजाद रोड फायर विग्रेड विले पारले (ई.) जिला मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 *संपादक- ओमप्रकाश रविन्द्रनाथ प्रजापति, इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः नियर जॉनसन हाऊस, शाप नंबर - 21, उन्नति सी.एच.एस. सेनापति बापट मार्ग, माहिम (वेस्ट) मुंबई-400016 * मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com,

जौनपुर में दूध खौलाते समय बॉयलर फटने से महिला का सिर धड़ से अलग, मौत

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। खुटहन थाना क्षेत्र के डिहिया गांव में दूध खौलते समय बॉयलर फटने से एक महिला का सिर धड़ से अलग हो गया दूसरी महिला का सिर फट गया। इस दर्दनाक हादसे से इलाके में सनसनी फैल गई है। सूचना मिलते ही पुलिस फोर्स, दमकल की गाड़ियां और स्वास्थ्य टीम मौके पर पहुंच गई। हालांकि इन टीमों के पहुंचने से पहले ग्रामीणों ने हालात पर काबू पा लिया था। पुलिस मृतक महिला का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। डिहिया गांव के निवासी राजेंद्र बिंद का खुटहन थाने के पास मिठाई की दुकान है, मिठाई बनाने के लिए अपने घर में दूध खौलाने के लिए छोटे बॉयलर लगाया है। आज सुबह करीब 10 बजे वह दूध खौला रहे थे, इस दरम्यान तेज धमाके के साथ बॉयलर फट गया, बॉयलर के ढक्कन से उसकी पत्नी मनीता बिंद की पत्नी का सिर कटकर धड़ अलग होकर कुछ दूर जा गिरा,वही कुछ दूरी पर बैठी सीता देवी का सर फट गया। इस दर्दनाक हादसे से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर सीओ शाहगंज अजित सिंह चौहान समेत भारी पुलिस फोर्स मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बक्शा पुलिस टीम ने 24 घंटे के अन्दर किया गुमशुदा विवेक यादव की बरामदगी

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। थाना बक्शा पुलिस टीम द्वारा 24 घंटे के अन्दर गुमशुदा विवेक यादव की बरामदगी की गयी। थाना बक्शा पर दिनांक 04.10.2024 को समय 20.29 पर बहवाले रपट न0 48 पर आवेदक सुनील यादव पुत्र स्व० जयनाथ यादव ग्रा० चमरामऊ थाना बक्सा जिला जौनपुर के लिखित प्रार्थना पत्र पर भतीजे विवेक यादव पुत्र स्व० भोलानाथ उम्र 29 वर्ष ग्रा0 चमरामऊ थाना बक्शा जिला जौनपुर के गुमशुदा हो जाने के संबंध मे गुमशुदगी दर्ज की गयी। प्र०नि० महोदय द्वारा सर्विलास टीम व मुखबीरों के सहयोग से गुमशुदा विवेक यादव पुत्र स्व० भोलानाथ उम्र 29 वर्ष ग्रा0 चमरामऊ थाना बक्शा जिला जौनपुर को 24 घण्टा के अन्दर बरामदगी कर परिजन को सुपुर्द किया गया। पुछ-ताछ में गुमशुदा विवेक ने बताया कि मेरे पिता की मृत्यु हो गयी थी इसी के कारण में विक्षिप्त अवस्था में कहा-कहा गया मुझे जानकारी नही है रोड-वेज बस स्टैण्ड जौनपुर आया तो घरवाले मिले उनके साथ स्वयं थाने पर आया। मेरा किसी ने अपहरण नही किया था। स्वयं विक्षिप्त हो जाने के कारण घर से चला गया था। गुमशुदा 1-विवेक यादव पुत्र स्व० भोलानाथ उम्र 29 वर्ष ग्रा० चमरामऊ थाना बक्शा जिला जौनपुर।

घर से उठाकर ले गये वृद्ध को चोरों ने पीटा

पिटाई के बाद लाइन बाजार के नईगंज में छोड़ा

प्रियेश गुप्ता रूद्र संवाददाता

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र के जमैथा गांव में सोमवार देर रात बकरियां चुराने पहुंचे चोर पकड़े जाने के डर से घर के एक वृद्ध को ही उठा ले गए। चोरों ने वृद्ध की जमकर पिटाई करने के बाद लाइन बाजार के नईगंज में ले जाकर छोड़ दिया। परिजनों की सूचना पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार, जमैथा गांव निवासी दशमू पाल सोमवार रात अपने घर से करीब 100 मीटर दूर स्थित खेत में सो रहे थे। यहां बने मड़हे (झोपड़ी) में उनकी एक दर्जन से अधिक बकरियां भी बंधी हुई थीं। रात करीब 1:30 बजे चार पहिया

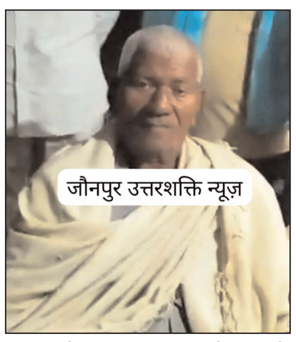

वाहन से लगभग 3-4 चोर पहुंचे और बकरियां चुराने के लिए मड़हे में घुसने लगे। तभी दशमू पाल की आंख खुल गई। उन्होंने मड़हे की ओर देखते हुए आवाज लगाई तो चोर घबरा गए और पकड़े जाने के डर से दशमू पाल को मुंह दबाकर जबरन अपने वाहन में भरकर ले गए। दशमू पाल का कहना है कि चलती गाड़ी में चोरों ने उन्हें लात-घूसों से पीटा और नईगंज में छोड़कर फरार हो गए। बुजुर्ग किसी तरह अपने घर वापस पहुंचा और परिजनों को आपबीती सुनाई। परिजनों की सूचना पर थाना प्रभारी संजय कुमार सिंह और चौकी प्रभारी मनोज राय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। दशमू की तहरीर पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चतुर्थ पुण्यतिथि पर याद किये गये विद्यालय प्रबंधक, बच्चों की प्रस्तुति रही मनमोहक

मानी कलाँ, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के मानी कलां मे स्थित महर्षि दयानन्द इंटर कालेज के संस्थापक प्रबंधक रहें स्वर्गीय बिन्देश्वरी साहू

का चौथा पुण्यतिथि विद्यालय परिसर मे धूमधाम से मनाया गया।

उक्त कार्यक्रम मे सर्वप्रथम आये हुए अतिथियों ने सरस्वती प्रतिमा व संस्थापक की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित किया। उसके पश्चात कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती बंदना से की गई। प्रांगण में आये हुए समस्त अतिथियों का माल्यार्पण एवं अंगवस्त्र तथा स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया। बच्चों तथा बच्चियों के कार्यक्रम ने मनमोह लिया सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि लालचंद गुप्ता चेयरमैन लोकअदालत/न्यायधीश जौनपुर ने कहा कि यह बिद्या की मंदिर है यही से बच्चों को दिशा मिलती है। देश की सेवा के लिए होनहारों को यहीं से तराश कर अध्ययकों द्वारा निकाला जाता है। विशिष्ट अतिथि सुनील यादव (मम्मन) प्रमुख प्रतिनिधि करंजकला ने कहा कि श्री साहू जी ने ग्रामीण क्षेत्र मे इस संस्थान की स्थापना कर क्षेत्र मे जो योगदान दिया है वह सराहनीय है। इस विद्यालय के लिए जब भी कोई जरूरत होंगी मै हमेशा तत्पर रहूंगा।

विद्यालय के प्रबंधक जयप्रकाश गुप्ता ने सभी अतिथियों को माल्यार्पण कर व अंग वस्त्र दे कर सम्मानितकर स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। संचालन जयंत कुमार अस्थाना जी ने किया इस मौके पर अनिल गुप्ता खाद्य रसद बिपड़न अधिकार,अनिल उपाध्याय प्रबंधक सर्वोदय इंटर कालेज खुदौली, अवनीश तिवारी, अनिल दुबे आजाद, डॉ नीरज सोनी प्रबंधक के डी इंटर कालेज खेतासराय, छोटेलाल गुप्ता, डॉ मो.अकरम, डॉ वकील, धर्मेंद्र मिश्रा मंडल अध्यक्ष भाजपा भारी संख्या स्थानीय जन उपस्थित रहें। अंत में प्रधानाचार्य श्री कृष्ण शर्मा पुण्यतिथि में आए हुए सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

जफराबाद पुलिस ने शांति भंग में 7 को किया गिरफ्तार

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। थाना जफराबाद पुलिस टीम द्वारा शांति भंग करने पर 07 अभियुक्तों को निवारक कार्यवाही में किया गया गिरफ्तार।पुलिस अधीक्षक जौनपुर, डा0 अजय पाल शर्मा द्वारा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) के दिशा निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी नगर जौनपुर के पर्यवेक्षण मे थाना जफराबाद पुलिस टीम द्वारा प्र0नि0 जफराबाद के नेतृत्व में उ0नि0 मनोज कुमार राय मय हमराह हे0का0 दुर्गेश पाण्डेय व हल्का द्वितीय गस्त के कर्म0गण हे0का0 तेजबहादुर यादव का0 विरेन्द्र चौहान के साथ क्षेत्र भ्रमण के दौरान ग्राम जमैथा थाना जफराबाद

जौनपुर मे जमीन व आशनाई के सम्बन्ध मे विवाद करने वाले 07 अभियुक्तगण को गिरफ्तार कर शांति व्यवस्था के दृष्टिगत अन्तर्गत धारा 170/126/135 बीएनएसएस में चालान मा0 न्यायालय किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण 1. चन्दन माली पुत्र केदार माली निवासी जमैथा थाना जफराबाद जौनपुर। 2. संजय माली पुत्र केदार माली निवासी जमैथा थाना जफराबाद जौनपुर। 3. अमित माली पुत्र संजय माली निवासी जमैथा थाना जफराबाद जौनपुर। 4. मो0अनीश पुत्र मो0अजीज निवासी जमैथा थाना जफराबाद जौनपुर। 5. मो0असफाक पुत्र मो0अजीज निवासी जमैथा थाना जफराबाद जौनपुर। 6. मो0साहिल पुत्र मो0मनसूर निवासी जमैथा थाना जफराबाद जौनपुर। 7. मो0अजीज पुत्र नादिर निवासी जमैथा थाना जफराबाद जौनपुर।

केराकत में कुत्ते से टकराई तेज रफ्तार बाइक, 3 गम्भीर रूप से घायल

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। केराकत क्षेत्र के मनियरा मोड़ के पास मंगलवार को तेज रफ्तार बाइक सवार कुत्ते को बचाने के चक्कर में कुत्ते से टकरा कर सड़क के किनारे जा गिरी जिससे बाइक सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। विदित हो कि पचवर गांव निवासी शनि कुमार पुत्र अरविंद कुमार, सोनू कुमार पुत्र संदीप कुमार, साहिल कुमार पुत्र मनोज कुमार अपने एक अन्य साथी के साथ बाईक पर सवार होकर घर से केराकत बाजार जा रहे थे। जैसे ही मनियरा मोड़ के पास पहुंच केराकत की तरफ मुड़ रहे थे कि अचानक कुत्ते को अपनी तरफ आता देख कुत्ते को बचाने के चक्कर में बाइक अनियंत्रित होकर कुत्ते से टकराकर सड़क के किनारे गिरने से बाइक सवार 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। गिरने की आवाज सुनकर आस-पास के दुकानदार व राहगीरों इकठ्ठा होकर एम्बुलेंस बुलाकर घायलों के उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया जहां चिकित्सकों ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया।

स्वयं के अपहरण की साजिश कर फिरौती मांगने वाला गिरफ्तार

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। थाना सुरेरी पुलिस टीम द्वारा स्वयं के अपहरण की साजिश कर फिरौती की मांग करने वाले अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार।पुलिस अधीक्षक जौनपुर, डा0 अजय पाल शर्मा द्वारा अपराध की रोकथाम एवं आपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, शैलेन्द्र कुमार सिंह के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूँ, विवेक कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष सुरेरी, सुनील वर्मा मय हमराह का0 रविप्रकाश यादव, का0 हिमाँशू

राव, चालक का0 इबरान अली के द्वारा मु0अ0सं0 123/24 धारा 308/318 बी0एन0एस0 से सम्बन्धित अभियुक्त सूरज गुप्ता पुत्र प्रदीप कुमार गुप्ता निवासी अड़ियार (हनुमानगंज बाजार) थाना सुरेरी जनपद जौनपुर उम्र करीब 24 वर्ष को गाँधी घाट पुल के पास ग्राम हीरापट्टी (मलेथू) थाना क्षेत्र सुरेरी से दिनांक 22.10.2024 को समय करीब 04.30 बजे गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।घटना का संक्षिप्त विवरण– थाना स्थानीय पर दिनांक 19.10.2024 को आवेदक प्रदीप कुमार गुप्ता पुत्र त्रिलोचन निवासी हनुमानगंज बाजार, अड़ियार थाना सुरेरी जनपद जौनपुर मो0नं0 7860156098 द्वारा थाना स्थानीय पर सूचना दिया गया कि मेरा लड़का सूरज गुप्ता उम्र करीब 24 वर्ष दिनांक 18.10.2024 को सुबह 04 बजे घर से टहलने के लिए निकला जो अभी तक घर वापस नही आया। मेरा लड़का सूरज गुप्ता का मो0नं0 6393589031 बन्द बता रहा है तथा उसके इसी मो0नं0 के व्हाटसाप से मेरे व्हाटसाप पर मेसेज करके 40 लाख रुपये की माँग की गयी है। विवेचना से पता चला कि अपहृत व्यक्ति का किसी के द्वारा अपहरण नही किया गया और न ही फिरौती की माँग की गयी थी। अपहृत व्यक्ति द्वारा स्वयं घर से गायब होकर अपने परिजनों से 40 लाख रुपये की फिरौती का माँग की गयी थी। अभियुक्त की गिरफ्तारी सम्बन्धित धाराओं में करके अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त– 1. सूरज गुप्ता पुत्र प्रदीप कुमार गुप्ता निवासी अड़ियार (हनुमानगंज बाजार) थाना सुरेरी जनपद जौनपुर उम्र करीब 23 वर्ष।

मिशन शक्ति फेज-5 जागरुकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। जनपद में मिशन शक्ति फेज -5

जागरुकता कार्यक्रम के तहत आज दिनांक-22.10.2024 को पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा पुलिस लाइन से मिशन शक्ति से सम्बन्धित एक फ्लैग मार्च को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया।अवगत कराना है कि महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, सम्मान, स्वावलमंबन, सशक्तिकरण व विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में मिशन शक्ति अभियान (फेज-05) के अन्तर्गत पुलिस अधीक्षक जौनपुर, डॉ0 अजय पाल शर्मा द्वारा आज पुलिस लाइन से मिशन शक्ति से सम्बन्धित एक फ्लैग मार्च को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। अभियान के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं/बालिकाओं के लिए समर्पित विभिन्न सेवाओं/हेल्पलाईन नम्बरों (ट्वीटर सेवा, डॉयल-112, हेल्प लाइन-181, वुमेन पावर लाइन-1090, चाइल्ड हेल्प लाइन-1098, सी0एम0 हेल्पलाइन-1076, वन स्टॉप सेन्टर-181, स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन-102, एंबुलेंस सेवा-108 आदि) तथा जनसुनवाई पोर्टल, स्थानीय थाने पर महिला हेल्प डेस्क आदि के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर, अरविन्द कुमार वर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, शैलेन्द्र कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर, देवेश सिंह, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन, यातायात प्रभारी, जीडी शुक्ला व अन्य मौजूद रहें।

नौनिहालों का सर्वांगीण विकास ही ध्येय: डा.गोरखनाथ

अमित तिवारी संवाददाता

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। शाहगंज स्थित न्यू देलही पब्लिक स्कूल में प्रधानाध्यापक, विद्यालय प्रबंध समिति एवं ग्राम प्रधानों की उन्मुखीकरण संगोष्ठी संपन्न हुई। संगोष्ठी में विद्यालय के कायाकल्प, बालिका शिक्षा, विद्यालय में उपस्थित एवं निपुण भारत योजना पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुयी, उच्च प्राथमिक विद्यालय गुरैनी की बच्चियों ने सरस्वती वन्दना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉक्टर गोरखनाथ पटेल रहे। खंड शिक्षा अधिकारी बसंत कुमार शुक्ल ने बुके देकर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। बतौर मुख्य अतिथि संगोष्ठी सम्बोधित करते हुए डा०गोरखनाथ पटेल ने कहा कि नौनिहालों के सर्वांगीण विकास हेतु विद्यालय परिवेश को समृद्ध बनाना है। जिसमें सभी की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने शाहगंज में गुणवत्ता हेतु किये जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की एवं निरंतर जारी रखने हेतु प्रेरित किया।

◆ ब्लाक स्तरीय उन्मुखीकरण संगोष्ठी संपन्न

उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों को भी बेहतर परिणाम हेतु सहयोग के लिए आगे आने का आह्वान किया। अध्यक्षता, प्रबन्धक अजफर मिर्जा बेग द्वारा की गयी। कार्यालय सहायक विन्ध्यवासिनी उपाध्याय भी उपस्थित रहे। सभी ए आर पी द्वारा निर्धारित विषय पर प्रकाश डाला गया। क्वीजपरीक्षा में अच्छा अंक प्राप्त एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले बच्चों को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा पारितोषिक प्रदान किया गया। खंड शिक्षा शिक्षा द्वारा सभी के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

संगोष्ठी में सभी ए आर पी, प्रशांत मिश्र, धर्मेन्द्र सिंह सुजीत सोनकर अखिलेश यादव, ग्राम प्रधान, प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष, प्रधानाध्यापक सुधाकर सिंह, अखिलेश चंद्र मिश्र अशोक सोनकर अरविंद प्रकाश सिंह ओम प्रकाश यादव रूपेश, राधेश्याम मिश्र रहे। कार्यक्रम का संचालन करते हुये ए आरपी प्रशांत मिश्र ने कहा कि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं खंड शिक्षा अधिकारी के कुशल नेतृत्व में शाहगंज ब्लॉक शीघ्र निपुण बनेगा।

शंकरा आई हास्पिटल में शुरू हुई ओपीडी, दो दिन पहले पीएम मोदी ने किया था शुभारंभ

डॉ.एस.के.मिश्र ज़िला संवाददाता

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। वाराणसी के हरिहरपुर में आरजे शंकरा आई हास्पिटल में ओपीडी शुरू हो गई है। पहले दिन 170 मरीजों की जांच की गई। डाक्टरों ने लोगों के आंखों की बारीकि से जांच के बाद कुछ लोगों

को आपरेशन की सलाह दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दो दिन पहले शंकरा आई हास्पिटल का उद्घाटन किया था। 300 बेड के शंकरा आई हास्पिटल में आंख के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम लोगों के आंखों की जांच और उपचार करेगी। अस्पताल में सोमवार से शनिवार तक हर दिन सुबह 9 से शाम 6 बजे और रविवार को सुबह 9 से दोपहर एक बजे तक ओपीडी चलेगी। स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल को राष्ट्रीय अंधता निवारण कार्यक्रम से जोड़ने की रूपरेखा बनाई है। सीएमओ डा. संदीप चौधरी ने बताया कि अस्पताल में आंखों के आपरेशन और स्क्रीनिंग की मुकम्मल सुविधा है। ऐसे में अस्पताल को राष्ट्रीय अंधता निवारण कार्यक्रम से भी जोड़ा जाएगा।

पवाँरा पुलिस ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले को किया गिरफ्तार

रियाजुल हक जिला क्राइम रिपोर्टर

जौनपुर, (उत्तरशक्ति)। पवाँरा पुलिस टीम द्वारा थानाध्यक्ष प्रियंका सिंह के कुशल नेतृत्व में उ0नि0 शसत्येन्द्र भाई पटेल मय हमराह द्वारा

सोशल मीडिया (एक्स) पर अभियुक्त द्वारा किये गये आपत्ति जनक टिप्पणी पर तत्काल कार्यवाही करते हुए मु0अ0सं0 177/24 धारा 299 बीएनएस व 67 आई0टी0एक्ट थाना पवारा जनपद जौनपुर पंजीकृत कर मुकदमा से सम्बन्धित अभियुक्त प्रदीप तिवारी उर्फ मोनू तिवारी पुत्र जनार्दन प्रसाद तिवारी ग्राम टिकरा थाना पवारा जनपद जौनपुर को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही किया जा रहा है।

विधायक की अध्यक्षता व जिलाधिकारी की उपस्थिति में बदलापुर महोत्सव की तैयारी को लेकर बैठक संपन्न

जौनपुर,(उत्तरशक्ति)। विधायक बदलापुर रमेश चंद्र मिश्र की अध्यक्षता में तथा जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की उपस्थिति में बदलापुर महोत्सव की तैयारी के संबंध में बैठक विकास भवन सभागार में संपन्न हुई। बैठक में बदलापुर महोत्सव के आयोजन, सामूहिक विवाह, विकास कार्य की समीक्षा आदि प विधायक द्वारा विस्तृत चर्चा की गई तथा अवगत कराया गया कि दिनांक 7 और 8 दिसंबर 2024 को दो दिवसीय बदलापुर महोत्सव व मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह का आयोजन किया जाना है जिसके दृष्टिगत इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा स्टाल लगाए जाने तथा साफ सफाई की समुचित व्यवस्था कराए जाने, विद्युत व्यवस्था सहित कार्यक्रम की तैयारी के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश विधायक जी द्वारा संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसान, लोग, विद्यार्थी, कर्मचारी आदि को महोत्सव में सम्मानित करने के निर्देश दिए गए तथा होर्डिंग बैनर आदि लगाने के साथ ही विभागों को योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा प्रचार प्रसार करने के भी निर्देश दिए गए। बेसिक शिक्षा अधिकारी और डीआईओएस को बच्चों का कार्यक्रम कराने, क्विज प्रतियोगिताएं, स्पीच प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता सहित अन्य प्रतियोगिता कराने के निर्देश दिए गए।जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र द्वारा उपस्थित समस्त अधिकारियों को विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी बदलापुर महोत्सव के आयोजन को लेकर उत्साह के साथ तैयारी करने तथा भव्य तरीके से बदलापुर महोत्सव मनाने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस अवसर पर परियोजना निदेशक कृष्ण करुणाकर पांडे, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 लक्ष्मी सिंह सहित संबंधित अधिकारीगण और कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

वाराणसी से शुरू हुई 'अमृत भारत स्टेशन योजना'

वाराणसी,(उत्तरशक्ति)। वाराणसी- भारतीय रेल के अन्तर्गत रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए शुरू की गई योजना 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के अन्तर्गत आगामी 50 वर्षों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर भारतीय रेल के प्रमुख स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। इस योजना के अन्तर्गत चयनित स्टेशनों पर आवश्यकताओं के अनुरूप स्टेशन भवन को स्थानीय संस्कृति के साथ आकर्षक स्वरूप दिया जा रहा है, जिसमें सकुर्लेटिंग एरिया, वेटिंग हॉल, प्रसाधन केंद्र, आवश्यकतानुसार लिफ्ट/एस्केलेटर, निःशुल्क वाई-फाई, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एग्जीक्यूटिव लाउंज सहित विभिन्न उन्नत यात्री सुविधाएं सम्मिलित है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अन्तर्गत गोरखपुर-छपरा रेल खंड पर स्थित मैरवा रेलवे स्टेशन को रू. 12.43 करोड़ की लागत से पुनर्विकसित करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। मैरवा स्टेशन के पुनर्विकास से यात्रियों को आधुनिक एवं उन्नत सुविधाओं का लाभ समय से मिल सके। इस स्टेशन से होकर देश के प्रमुख नगरों एवं महानगरों के लिए 24 एक्सप्रेस/सवारी गाड़ियों की संचलन हो रहा है तथा लगभग 2300 यात्रियों का आवागमन प्रतिदिन होता है। रेलवे प्रशासन द्वारा नये श्रेणी के मानक में इस स्टेशन को एन.एस.जी.-5 की श्रेणी में रखा गया है। मैरवा स्टेशन पर किये जा रहे उन्नयन एवं सुधार कार्यों में स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार, सकुर्लेटिंग एरिया में रोड, ड्रेन, प्लेटफार्म का उच्चीकरण एवं विस्तार,

यात्रियों को बैठने हेतु पीपी शेल्टर, दिव्यांग यात्रियों के अनुरूप रैम्प, पार्किंग, टॉयलेट, लो-हाइट टैप, आरक्षण काउंटर, यात्रियों के सुगम आवागमन हेतु 02 लिफ्ट तथा 3.66 मीटर चैड़े फुट ओवर ब्रिज (एफ.ओ.बी.) का निर्माण कार्य पूर्ण हो चूका है साथ ही 1500 वर्ग मीटर में नये स्टेशन भवन का निर्माण का कार्य प्रगति पर है।

सकुर्लेटिंग एरिया में बने पार्किंग के सुन्दरीकरण का कार्य तेजी से चल रहा है। इस स्टेशन पर कोच गाइडेंस सिस्टम, ट्रेन डिस्प्ले बोर्ड, डिजिटल घड़ियाँ, सोलर प्लांट, वाटर कूलर, वाटर बूथ, एयर कंडीशनर, साइनेज बोर्ड, फसाड लाइटिंग तथा विभिन्न यात्री सुविधाओं से सम्बन्धित विकास का कार्य किया जा रहा है। इन कार्यो के पूर्ण होने पर मैरवा रेलवे स्टेशन आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा तथा यहाँ आने वाले यात्रियों को रेल परिसर में प्रवेश करते ही सुखद अनुभूति मिलेगी।

जिला स्तरीय उद्यमिता प्रतियोगिता में छात्रों ने बिजनेस मॉडल का किया प्रदर्शन

वाराणसी, (उत्तरशक्ति)। राजातालाब भैरवतालाब स्थित श्री अम्बिका प्रसाद सिंह भैरवनाथ इंटर कॉलेज के प्रांगण में मंगलवार को आविष्कार फाउण्डेशन द्वारा आयोजित जिला स्तरीय उद्यमिता प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रबंधक शैलेंद्र कुमार सिंह द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस प्रतियोगिता में चौदह माध्यमिक विद्यालय तथा चार डिग्री कॉलेज के प्रतियोगियों ने प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों ने अपने बिजनेस मॉडल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगियों से आनलाईन निर्णायक मण्डल के विद्वानों ने प्रश्न पूछा।प्रतियोगिता में विद्यालय के प्रधानाचार्य डा० गोविन्द नारायण सिंह एवं उप प्रधानाचार्य विनय कुमार श्रीवास्तव ने महत्वपूर्ण योगदान देकर कार्यक्रम को समयबद्ध ढंग से सम्पन्न कराया।आविष्कार फाउण्डेशन टीम की श्रेया-पूनम ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों को नए ज्ञान तथा नए आयाम की ओर अग्रसर कर रहा है। प्रतियोगियों का स्वागत प्रधानाचार्य डा० गोविन्द नारायण सिंह एवं विद्यालय परिवार तथा संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन उप प्रधानाचार्य विनय श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

यूके में पहली बार आवाज का जादू बिखेरेंगे विशाल मिश्रा, संगीत को बताया अपना अस्तित्व

बॉलीवुड के मशहूर गायक विशाल मिश्रा पहली बार यूके में प्रदर्शन करने वाले हैं। गायक विशाल मिश्रा 24 नवंबर 2024 को प्रतिष्ठित ओवो एरिना में अपनी आवाज की जादूगरी दिखाएंगे। गायक त्योहार की छुट्टियों की भावना के साथ लंदन, यूके में अपने पहले अंतर्राष्ट्रीय संगीत कार्यक्रम के लिए मंच पर आने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस कार्यक्रम की घोषणा ने उनके प्रशंसकों का उत्साह बढ़ा दिया है। अपने दमदार प्रदर्शन और अपने हिट गानों की सीरीज के लिए जाने जाने वाले बहुमुखी कलाकार विशाल मिश्रा ने दुनिया भर में लाखों लोगों का दिल जीता है। वह अपनी प्रभावशाली मंच उपस्थिति और सुरीली आवाज के साथ, बॉलीवुड के ब्लॉकबस्टर गानों के लिए भी जाने जाते हैं। उनके कुछ गीत प्रशंसकों के दिलों पर राज करते हैं, जैसे 'कैसे हुआ', 'पहले भी मैं', 'नाचो नाचो', 'खूबसूरत', 'पहला प्यार' और कई अन्य दिल को छू लेने वाले गीत। विशाल मिश्रा ने बहुत ही कम समय में सुर की दुनिया में अपनी विशेष पहचान बना ली है। उनकी आवाज और गीतों के बोल दिल को छू लेने वाले होते हैं। अब वह लंदन में अपनी धुनों के साथ प्रशंसकों का मनोरंजन करते हुए नजर आएंगे, जो कभी ना भूलने वाले पल प्रदान करेंगे। कॉन्सर्ट के बारे में अपना उत्साह व्यक्त करते हुए, विशाल मिश्रा ने कहा, यह लंदन में मेरा पहला कॉन्सर्ट है, और यह मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखता है। जबकि मैंने कई शहरों और देशों में प्रदर्शन किया है और मेरे गीतों के लिए बहुत प्यार मिलने का सौभाग्य मिला है। लंदन हमेशा मेरी इच्छा सूची में सबसे ऊपर रहा है। यह कार्यक्रम एक तरह से मील का पत्थर है और मेरे अद्भुत यूके दर्शकों से जुड़ने का एक अविश्वसनीय अवसर है।

रेनो इंडिया ने भारतीय सेना की पूर्वी कमान को भेंट की ट्राइबर और काइगर

पटना (उत्तरशक्ति)। रेनो इंडिया ने भारतीय सेना की पूर्वी कमान को उनकी परिवहन जरूरतों के लिए रेनो ट्राइबर और काइगर गाड़ियाँ भेंट की हैं। यह कदम सेना के जवानों की सेवा और समर्थन के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता का हिस्सा है। रेनो इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ वेंकटराम एम. ने कहा, भारतीय सेना की पूर्वी कमान का समर्थन करना हमारे लिए गर्व की बात है। ट्राइबर और काइगर न केवल रेनो की गुणवत्ता और सुरक्षा का प्रतीक हैं, बल्कि 'मेक इन इंडिया' पहल को भी दर्शाते हैं। इन गाड़ियों से सेना के जवानों को तेजी से आवागमन में मदद मिलेगी और जरूरी सामान सही समय पर पहुँचाया जा सकेगा, जिससे उनकी कार्यक्षमता बढ़ेगी। यह हमारे सैनिकों की अमूल्य सेवा के प्रति सम्मान और आभार का छोटा सा प्रतीक है। ट्राइबर खूबसूरती और असाधारण तरीके से डिजाइन की हुई कार है। इसमें काफी जगह है, इसे तरह-तरह के कामों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इससे यह यह भारतीय परिवारों की जरूरतों को पूरा करने के लिए एकदम परफेक्ट कार बन जाती है। इसमें नई तकनीक के कुछ फीचर्स शामिल किए गए हैं।

यूके में पहली बार आवाज का जादू बिखेरेंगे विशाल मिश्रा, संगीत को बताया अपना अस्तित्व

बॉलीवुड के मशहूर गायक विशाल मिश्रा पहली बार यूके में प्रदर्शन करने वाले हैं। गायक विशाल मिश्रा 24 नवंबर 2024 को प्रतिष्ठित ओवो एरिना में अपनी आवाज की जादूगरी दिखाएंगे। गायक त्योहार की छुट्टियों की भावना के साथ लंदन, यूके में अपने पहले अंतर्राष्ट्रीय संगीत कार्यक्रम के लिए मंच पर आने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस कार्यक्रम की घोषणा ने उनके प्रशंसकों का उत्साह बढ़ा दिया है। अपने दमदार प्रदर्शन और अपने हिट गानों की सीरीज के लिए जाने जाने वाले बहुमुखी कलाकार विशाल मिश्रा ने दुनिया भर में लाखों लोगों का दिल जीता है। वह अपनी प्रभावशाली मंच उपस्थिति और सुरीली आवाज के साथ, बॉलीवुड के ब्लॉकबस्टर गानों के लिए भी जाने जाते हैं। उनके कुछ गीत प्रशंसकों के दिलों पर राज करते हैं, जैसे 'कैसे हुआ', 'पहले भी मैं', 'नाचो नाचो', 'खूबसूरत', 'पहला प्यार' और कई अन्य दिल को छू लेने वाले गीत। विशाल मिश्रा ने बहुत ही कम समय में सुर की दुनिया में अपनी विशेष पहचान बना ली है। उनकी आवाज और गीतों के बोल दिल को छू लेने वाले होते हैं। अब वह लंदन में अपनी धुनों के साथ प्रशंसकों का मनोरंजन करते हुए नजर आएंगे, जो कभी ना भूलने वाले पल प्रदान करेंगे। कॉन्सर्ट के बारे में अपना उत्साह व्यक्त करते हुए, विशाल मिश्रा ने कहा, यह लंदन में मेरा पहला कॉन्सर्ट है, और यह मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखता है। जबकि मैंने कई शहरों और देशों में प्रदर्शन किया है और मेरे गीतों के लिए बहुत प्यार मिलने का सौभाग्य मिला है। लंदन हमेशा मेरी इच्छा सूची में सबसे ऊपर रहा है। यह कार्यक्रम एक तरह से मील का पत्थर है और मेरे अद्भुत यूके दर्शकों से जुड़ने का एक अविश्वसनीय अवसर है।

नीतीश सरकार ने किया बड़ा प्रशासनिक फेरबदल इअर के 27 अफसरों को नई जिम्मेवारी; 94 अधिकारियों का प्रमोशन

पटना। बिहार प्रशासनिक सेवा के 27 अधिकारियों को नयी जिम्मेवारी दी गयी है। इनमें बड़ी संख्या में पदस्थापना की प्रतीक्षा में चल रहे अधिकारी भी शामिल हैं। सामान्य प्रशासन विभाग ने मंगलवार को इस आशय की अधिसूचना जारी की। बिहार प्रशासनिक सेवा के अलग-अलग स्तर के 94 अधिकारियों को प्रोन्नति दी गयी है। सामान्य प्रशासन विभाग ने मंगलवार को इस आशय की अधिसूचना जारी की। अपर समाहर्ता स्तर के 35 अधिकारियों को उप सचिव पद का कार्यकारी प्रभार दिया गया। बिहार प्रशासनिक सेवा के 36 अधिकारियों को अपर समाहर्ता स्तर का कार्यभार दिया गया। वहीं बिहार प्रशासनिक सेवा के 23 अधिकारियों को संयुक्त सचिव स्तर का कार्यभार दिया गया। पदस्थापना की प्रतीक्षा में चल रहे विनोद कुमार सिंह को नगर आयुक्त बेतिया बनाया गया। नगर आयुक्त बेतिया, शंभू कुमार को सामान्य प्रशासन विभाग में योगदान कराया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग के उप सचिव रवींद्र नाथ चौधरी को बिहार राज्य खेल प्राधिकरण का निदेशक बनाया गया है।

बीएसवीएस का केंद्र शासित प्रदेश गोवा राज्य इकाई गठन पर निर्णय

गोवा (उत्तरशक्ति)। शनिवार को बिंद समाज विकास संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ शेषधर बिंद के आह्वान पर, गोवा प्रदेश जिला इकाई द्वारा, केंद्र शासित प्रदेश गोवा के वास्को एवं बिरला में, भदोही जिला संगठन मंत्री एवं गोवा प्रदेश अध्यक्ष धीरज कुमार बिंद की अध्यक्षता में सभी स्वजातीय बंधुओ द्वारा बैठक की गई। जिसमें दर्जनों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बिंद समाज विकास संघ के संगठन को और मजबूती देने तथा विस्तार करने के लिए संघ के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए गोवा प्रदेश के हर जिले में संघ का विस्तार करने के लिए, जिला, ब्लाक, और शाखा का गठन करके, संघ को मजबूत करके, समाज के सर्वांगीण विकास में तन, मन, धन, से तैयार रहने के लिए आह्वान किया। बैठक में मुख्य रूप से, गोवा प्रदेश अध्यक्ष धीरज कुमार बिंद, जिला भदोही संगठन मंत्री मोहनलाल बिंद, पंकज बिंद, प्रमोद कुमार बिंद, आनंद कुमार बिंद, हरिलाल बिंद, कपूरचंद्र बिंद, इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

विभिन्न धर्मों के बीच एकजुटता की भावना के साथ लोनावला के कैवल्यधाम में राष्ट्रीय योग सम्मेलन का आयोजन

मुंबई(उत्तरशक्ति)। 'योग-सांस्कृतिक समरसता का साधन और इसके आध्यात्मिक पहलू' के विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित लोगों को संबोधित करने के लिए विभिन्न धर्मों के आध्यात्मिक गुरु एकजुट हुए हैं। यह दो दिवसीय कार्यक्रम है, जिसका उद्घाटन आज 18 अक्टूबर, 2024 को लोनावला के कैवल्यधाम में हुआ। इस कार्यक्रम में जैन, हिंदू, बौद्ध, इस्लाम, ईसाई और पारसी धर्मों के आध्यात्मिक गुरुओं ने भाग लिया, जिन्होंने योग के बारे में चर्चा की और अपने-अपने विचार साझा किए। सूरतगिरी बांग्ला, हरिद्वार के अध्यक्ष और संन्यास आश्रम, मुंबई के अध्यक्ष स्वामी विश्वेश्वरानंद जी गिरि; अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित जैन धर्मगुरु, अहिंसा विश्व भारती के संस्थापक अध्यक्ष, परम पूज्य आचार्य लोकेश मुनि जी; तिब्बती बौद्ध लामा एवं चोक्योंग पालगा चैरिटेबल इंस्टीट्यूट के आध्यात्मिक वक्ता, परम पूज्य चोक्योंग पालगा रिनपोछे; द योग इंस्टीट्यूट, मुंबई की अध्यक्ष, माँ हंसा जी योगेन्द्र; तथा, शताब्दी समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री, श्री सुरेश प्रभु की गरिमामयी उपस्थिति में इस राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन हुआ। कैवल्यधाम के अध्यक्ष, डॉ. ओ.पी. तिवारी ने उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की और परम पूज्य रिनपोछे ने मुख्य वक्तव्य प्रस्तुत किया। बिहार योग विद्यालय के पद्म भूषण परमाचार्य परमहंस स्वामी निरंजनानंद जी सरस्वती की उपस्थिति में समापन समारोह के साथ दो दिनों का यह सम्मेलन समाप्त होगा। कैवल्यधाम के अध्यक्ष, डॉ. ओ.पी. तिवारी ने कहा, ₹योग अलग-अलग समुदायों, क्षेत्रों, परंपराओं और धर्मों में सांस्कृतिक सद्भाव को जोड़ने वाली शक्ति है। आध्यात्मिक गुरुओं और जाने-माने विद्वानों ने अनुभव प्रदान करने वाले सत्रों के माध्यम से चर्चा की कि, योग किस प्रकार शिक्षा और अभ्यास के माध्यम से व्यक्ति को आध्यात्मिक विकास के लिए प्रेरित कर सकता है। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य गणमान्य वक्ताओं में आर्ष विद्या गुरुकुल के संस्थापक, स्वामी परमात्मानंद जी सरस्वती; प्रख्यात विद्वान एवं पूर्व सांसद, डॉ. सत्य पाल सिंह; योग साधना मंदिर के संस्थापक, डॉ. साबिर शेख; ग्लोबल वेलनेस गुरु, डॉ. मिकी मेहता, और, डॉन बॉस्को, लोनावला के एसडीबी-रेक्टर डायरेक्टर, फादर क्लानी पिंटो शामिल हैं। वर्ष 1924 में स्वामी कुवलयानंद ने कैवल्यधाम की स्थापना की थी, जो दुनिया में योग के सबसे पुराने और अग्रणी संस्थानों में से एक है। कैवल्यधाम को पतंजलि के अष्टांग योग के सिद्धांतों और दर्शन का पालन करते हुए पारंपरिक योग को उसके शुद्धतम रूप में सिखाने का गौरव प्राप्त है। कैवल्यधाम पहला योग संस्थान है, जो योग के फायदों और उपयोगों को दुनिया के सामने लाने के लिए सक्रिय रूप से वैज्ञानिक अनुसंधान कर रहा है।

12वीं पास हैं तो इस छात्रवृत्ति के लिए कर सकते हैं आवेदन

अगर आप पूर्वोत्तर के राज्यों में रहते हैं और 12वीं पास है, तो स्नातक कार्यक्रम में प्रवेश लेने पर आपके पास 8,000 प्रति माह छात्रवृत्ति जीतने का विशेष अवसर है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) 'ईशान उदय विशेष छात्रवृत्ति योजना पूर्वोत्तर क्षेत्र' के लिए ऑनलाइन आवेदन स्वीकार कर रहा है। इच्छुक एवं योग्य छात्र 31 अक्टूबर तक राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (NSP), scholarships.gov.in. पर जाकर आवेदन जमा कर सकते हैं। ईशान उदय योजना के लिए केवल नियमित, पूर्णकालिक डिग्री पाठ्यक्रमों पर विचार किया जाएगा। ओपन, डिस्टेंस, पत्राचार, निजी और अंशकालिक पाठ्यक्रमों में नामांकित छात्र पात्र नहीं होंगे। प्रबंधन कोटा के माध्यम से प्रवेश पाने वाले छात्र भी पात्र नहीं हैं। आवेदकों के माता-पिता की वार्षिक आय 4.50 लाख प्रति वर्ष से कम होनी चाहिए। आवेदकों के पास पूर्वोत्तर राज्य का वैध निवास प्रमाण पत्र होना चाहिए। आयोग राज्यवार योग्यता के आधार पर 10,000 पुरस्कार विजेताओं का चयन करेगा। यह छात्रवृत्ति वर्ष में 10 महीने के लिए दी जाती है। प्रत्येक श्रेणी के अंतर्गत 50 प्रतिशत स्लॉट कला, मानविकी और सामाजिक विज्ञान, कानून, प्रबंधन के लिए निर्धारित किए गए हैं और शेष 50 प्रतिशत विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, तकनीकी, कृषि और वाणिकी कार्यक्रमों के लिए निर्धारित किए गए हैं। ईशान उदय छात्रवृत्ति भारत सरकार द्वारा उत्तर-पूर्वी राज्यों के छात्रों के लिए एक विशेष छात्रवृत्ति योजना है। इसका उद्देश्य उन छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है जो उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं, लेकिन आर्थिक कारणों से कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं।

पोलियो की रोकथाम: टीकाकरण के माध्यम से एक संयुक्त प्रयास

मुंबई(उत्तरशक्ति)। विश्व पोलियो दिवस 24 अक्टूबर को मनाया जाता है। इस विश्व पोलियो दिवस पर, पोलियोमाइलाइटिस से उत्पन्न लगातार खतरे को पहचानना आवश्यक है, विशेष रूप से भारत के मेघालय में हाल ही में देखी गई पोलियो घटना के मद्देनजर। पोलियो, एक अत्यधिक संक्रामक वायरल बीमारी है जो मल-मौखिक संचरण के माध्यम से फैलती है और मुख्य रूप से पांच साल से कम उम्र के बच्चों को प्रभावित करती है, जिससे अपरिवर्तनीय पक्षाघात होता है और कुछ मामलों में मृत्यु हो जाती है। दशकों की प्रगति के बावजूद, यह बीमारी वैश्विक स्वास्थ्य चिंता बनी हुई है, खासकर भारत जैसे देशों के लिए, जो पोलियो मुक्त हैं, हालांकि पुनरुत्थान से बचने के लिए सतर्क रहना चाहिए। डॉ. पीयूष शाह, क्लाउडनाइन हॉस्पिटल मुंबई में सलाहकार बाल रोग विशेषज्ञ टिप्पणी करते हैं, ₹पोलियो के खिलाफ बच्चे की प्रतिरक्षा बनाए रखने के लिए 6 सप्ताह से शुरू होने वाला निष्क्रिय पोलियो वैक्सीन (आईपीवी) का टीकाकरण महत्वपूर्ण है। यह सुनिश्चित करने का हमारा एकमात्र तरीका है कि यह वायरस भारत में फिर से पैर न जमा सके। भारत की सफलता की कहानी—पोलियो मुक्त होने के 12 वर्ष—एक असाधारण सार्वजनिक स्वास्थ्य उपलब्धि रही है, जो बड़े पैमाने पर टीकाकरण अभियानों से संभव हुई है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, भारत में पोलियो उन्मूलन के बदले में, आखिरी मामले तक चार वर्षों के दौरान 172 लाख बच्चों को सालाना पोलियो वैक्सीन की लगभग 1 अरब खुराक दी गई थी। फिर भी, दुनिया के कुछ हिस्सों में पोलियो के फिर से उभरने की हालिया घटनाएं एक महत्वपूर्ण चिंता पैदा करती हैं: भारत अपनी सतर्कता को कम नहीं होने दे सकता। डॉ. पीयूष शाह कहते हैं, हालांकि भारत में वायरस खत्म हो गया है, लेकिन दुनिया भर में यह खत्म नहीं हुआ है। विदेशों में प्रकोप जारी जोखिम को दशार्ता है, और अंतर्राष्ट्रीय यात्रा का मतलब है कि कोई भी देश वास्तव में खतरे से मुक्त नहीं है।

मारुति सुजुकी अरीना डेविल्स सर्किट का 8वां एडिशन जबरदस्त उत्साह और उमंग के साथ पूरा हुआ

मुंबई(उत्तरशक्ति)। मारुति सुजुकी अरीना डेविल्स सर्किट के मुंबई एडिशन का सभी को बड़ी बेसब्री से इंतजार रहता है और इसका 8वां एडिशन खासे उत्साह के साथ सफलतापूर्वक पूरा हुआ। भारत की सबसे बड़ी ऑब्स्टेकल रनिंग सीरीज के तौर पर आयोजित इस ईवेंट को मिले प्यार की बदौलत फिर से यह साबित हुआ कि यह आयोजन एक अनोखा और सभी का पसंदीदा खेल आयोजन है। मुंबई में 20 अक्टूबर 2024 को हुए इस आयोजन में अलग-अलग बैकग्राउंड के प्रतिभागियों ने भाग लिया और इस ऑब्स्टेकल रेस में अपनी दावेदारी पेश की। इस रेस को इस तरह डिजाइन किया गया था कि इसमें प्रतिभागियों की मानसिक और शारीरिक क्षमता की कड़ी परीक्षा होती है। इस आयोजन का मकसद लोगों के बीच फिटनेस, जुड़ाव की भावना और रोमांच को जीने की ललक पैदा करना था और इस संस्करण में वही रोमांच देखने को मिला जिसके लिए मारुति सुजुकी अरीना डेविल्स सर्किट पूरे देश में एक अलग पहचान रखता है। इस आयोजन के शुरू होने के साथ ही इसमें भाग लेने वाले प्रतिभागी जमा होने लगे थे और जल्द ही वॉर्म-अप सेशन और मुख्य गतिविधियों से माहौल में गर्मजोशी आ गई। इस वातावरण ने सभी को आने वाली चुनौती का बेहतर ढंग से सामना करने के लिए तैयार कर दिया। पहली बार में कुछ प्रतिभागी मैदान में उतरे और फिर हर 20 मिनट में प्रतिभागियों की एक नई खेप अपने उत्साह का प्रदर्शन करने के लिए तैयार थी। पुरस्कार वितरण समारोह में मारुति सुजुकी इंडिया के जोनल सेल्स हेड वेस्ट अरुण भाटी मुख्य अतिथि थे। आपने उन प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जिन्होंने सभी ऑब्स्टेकल को पार करते हुए बहुत ही कम समय में इस रेस को पूरा किया। पुरुष कैटगरी में विक्रम सागर टॉप विनर रहे तो महिलाओं की कैटगरी में जहाबिया मर्चेंट। डेविल्स सर्किट के सह-संस्थापक अदनान अदीब ने इस आयोजन के बारे में कहा, ₹मारुति सुजुकी अरीना डेविल्स सर्किट का इस बार का आयोजन अपेक्षाओं से भी बढ़कर रहा है। यह बताता है कि इस आयोजन ने किस तरह की पहचान और प्रतिष्ठा बनाई है और हर बरस यह ज्यादा से ज्यादा लोगों को अपने साथ जोड़ने में कामयाब हो रहा है।

भारत में पहली बार टर्माइट बैटिंग सर्विस और इनोवेटिव गोल्डसील सर्विस- 4D की शुरूआत

मुंबई(उत्तरशक्ति)। भारत में पेस्ट कंट्रोल सेवाएँ उपलब्ध कराने वाली प्रमुख कंपनी, रेन्टोकिल पीसीआई को इस क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता के लिए जाना जाता है, जिसने आज अपार हर्ष के साथ पेस्ट कंट्रोल इंडस्ट्री में नई मिसाल कायम करने वाली अपनी दो अग्रणी सेवाओंः एंटी-टर्माइट फोर्ट्रेस (टर्माइट बैटिंग सर्विस) और GSS 4D (कॉकरोच सर्विस) के शुभारंभ की घोषणा की। दोनों ही सेवाएँ इनोवेशन के मामले में सबसे आगे हैं, जिससे यह जाहिर होता है कि रेन्टोकिल पीसीआई अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी और सस्टेनेबिलिटी पर विशेष ध्यान देने के साथ-साथ इस उद्योग में नए मानक स्थापित करने के अपने संकल्प पर कायम है। एंटी-टर्माइट फोर्ट्रेस दीमकों को लुभाकर उनका सफाया करने वाली सेवा है, जिसे सेंट्रल इन्सेक्टीसाइड बोर्ड (CIB) ने अपनी मंजूरी दी है। यह सेवा घर के मालिकों के अलावा आर्किटेक्ट्स, बिल्डरों तथा कंस्ट्रक्शन कंपनियों को किसी परेशानी के बिना, बेहद किफायती तरीके से और तोड़-फोड़ के बगैर इस समस्या का समाधान उपलब्ध कराती है।

पारंपरिक तरीकों में ड्रिलिंग और केमिकल इंजेक्शन की जरूरत होती है, लेकिन इसके विपरीत टर्माइट बैटिंग सर्विस में घर की महत्वपूर्ण जगहों पर बैटिंग स्टेशनों का उपयोग किया जाता है, जिन्हें जमीन के अंदर और ऊपर दोनों जगहों पर रखकर सीधे दीमकों की कॉलोनियों को निशाना बनाया जाता है, जो उनका मुख्य स्त्रोत है। इन बैट स्टेशनों में सेल्यूलोज-आधारित सामग्रियों का उपयोग किया जाता है जो कुदरती तौर पर दीमक का चारा होता है, जिससे आस-पास के इकोसिस्टम को कोई नुकसान नहीं होता है और दीमकों की कॉलोनियों पूरी तरह सफाया कर पाना संभव होता है। यह तरीका पर्यावरण के अनुकूल है, जो परिवारों, पालतू जानवरों और पर्यावरण की हिफाजत करने के साथ-साथ लंबे समय तक सुरक्षा प्रदान करता है।

रेन्टोकिल पीसीआई के मैनेजिंग डायरेक्टर, डेविड लुईस ने इन नई सेवाओं के लॉन्च पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, टर्माइट बैटिंग सर्विस और GSS-4ऊ के शुभारंभ के साथ हमने बड़े पैमाने पर कॉकरोच कीट नियंत्रण सेवा में एक नए युग की शुरूआत की है।

टोयोटा रुमियन का फेस्टिवल एडिशन पेश किया

पटना (उत्तरशक्ति)। कार खरीदारों के लिए इस त्योहारी सीजन को खास बनाते हुए, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने टोयोटा रुमियन का फेस्टिव एडिशन पेश किया। इस लिमिटेड-एडिशन में एक्सक्लूसिव टोयोटा जेनुइन एक्सेसरी (टीजीए) पैकेज शामिल हैं जिसका उद्देश्य रुमियन के सौंदर्य और उससे मिलने वाले आराम को बेहतर करना है। यह इस सीजन को भव्यता और स्टाइल के साथ मनाने के लिए एकदम सही मोबिलिटी विकल्प है। रुमियन का यह फेस्टिवल एडिशन सभी ग्रेड में उपलब्ध है और डीलर-फिटेड टीजीए पैकेज के साथ आता है, जो यह सुनिश्चित करता है कि ग्राहकों को प्रीमियम अनुभव मिले। फेस्टिवल लिमिटेड एडिशन के टीजीए पैकेज में बैक डोर गार्निश, मड फ्लैप्स, रियर बम्पर गार्निश, डीलक्स कार्पेट मैट (आरएचडी), हेड लैंप गार्निश, नंबर प्लेट गार्निश, डोर वाइजर झ क्रोम, रूफ एज (छत किनारे के लिए) स्पॉयलर, बॉडी साइड मोल्डिंग गार्निश फिनिश की विशेषताएं हैं। टीकेएम के सेल्स-सर्विस-यूज्ड कार बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट सबरी मनोहर ने कहा, ₹हम लिमिटेड-एडिशन टोयोटा रुमियन पेश करते हुए बेहद खुशी महसूस कर रहे हैं। यह न केवल खूबसूरती और आराम को बेहतर करता है बल्कि बेहतरीन ड्राइविंग अनुभव भी सुनिश्चित करता है। अब जब हम उत्सव के उत्साह में दीवाली की ओर बढ़ रहे हैं तो अपने ग्राहकों को असाधारण मूल्य प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता बनी हुई है।

ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड ने Q2 और H1 संयुक्त परिणामों की घोषणा की

हैदराबाद (उत्तरशक्ति)। अग्रणी इलेक्ट्रिक बस आपूर्तिकर्ता ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड (ओजीएल) ने दूसरी तिमाही और पहली छमाही के लिए अपने संयुक्त वित्तीय परिणामों की घोषणा की। निदेशक मंडल ने आज आयोजित अपनी बैठक में इन उल्लेखनीय परिणामो को आधिकारिक रूप से मंजूरी दे दी। तिमाही के दौरान, ओलेक्ट्रा ने 315 इलेक्ट्रिक वाहन वितरित किए, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 154 की तुलना में 105 प्रतिशत की वृद्धि है। कंपनी अब तक 2,217 इलेक्ट्रिक वाहनों की डिलीवरी कर चुकी है। कंपनी के पास अब तक कुल 10,503 बस ऑर्डर पंजीकृत हो चुके हैं। कंपनी ने 30 सितंबर, 2024 को समाप्त छमाही के लिए प्रति शेयर आय (ईपीएस) 8.72 रुपये दर्ज की, जो पिछले साल 4.40 रुपये प्रति शेयर थी। परिणामों पर टिप्पणी करते हुए, ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक लिमिटेड के सीएमडी . के. वी. प्रदीप ने कहा, हमारा ध्यान उत्पादन बढ़ाने और अपनी प्रौद्योगिकी क्षमताओं को बढ़ाने पर है और हमारी ऑर्डर बुक बहुत अच्छी है।

हिमालय वेलनेस ने मोनाली ठाकुर के साथ जरा मुस्कुराहट म्यूज़िक वीडियो किया लॉन्च

नवी मुंबई। स्वास्थ्य, सौंदर्य और व्यक्तिगत देखभाल में एक भरोसेमंद लीडर, हिमालय वेलनेस ने आज अपना दिल को छू लेने वाला नया म्यूज़िक वीडियो जरा मुस्कुराहट लॉन्च किया - जो त्योहारों के मौसम में खुशी, दयालुता और आत्मविश्वास का जश्न मनाता है। प्रसिद्ध बॉलीवुड गायिका मोनाली ठाकुर और लोकप्रिय अभिनेता-प्रभावशाली अनेरी वजानी की भावपूर्ण आवाज वाला यह वीडियो विश्व मुस्कान दिवस के लिए ब्रांड के अभियान का हिस्सा है, जिसे हर साल अक्टूबर के पहले शुक्रवार को मनाया जाता है। यह अवसर लोगों को सरल इशारों, जैसे मुस्कान साझा करना, और दयालुता का कार्य करें। एक व्यक्ति को मुस्कुराने में मदद करें के जरिए सकारात्मकता फैलाने के लिए प्रोत्साहित करता है। जारा मुस्कुराडे एक जीवंत और उत्साहवर्धक गीत है जो दयालुता के छोटे-छोटे कार्यों की शक्ति की याद दिलाता है। संगीत वीडियो प्राकृतिक मुस्कान की सुंदरता का जश्न मनाता है और प्राकृतिक सुंदरता को अपनाने से मिलने वाली आत्म-देखभाल और आत्मविश्वास के महत्व पर जोर देता है। हिमालय वेलनेस स्ट्रॉबेरी शाइन लिप बाम मुस्कान की प्राकृतिक सुंदरता को बढ़ाकर केंद्र में आता है, होंठों को मुलायम, पोषित और खुशियाँ फैलाने के लिए 100% प्राकृतिक लिप केयर प्रदान करता है। युवा महिलाओं और लड़कियों को लक्षित करते हुए, यह अभियान उन्हें अपने सच्चे स्व को अपनाने और अपनी खुशी को दुनिया के साथ साझा करने के लिए प्रोत्साहित करता है। अपने 100% प्राकृतिक लिप बाम के साथ, हिमालय सुनिश्चित करता है कि हर कोई आत्मविश्वास से मुस्कुरा सके, यह जानते हुए कि उनके होंठों की अच्छी तरह से देखभाल की जा रही है, हर मुस्कान को उज्जवल और अधिक सुंदर बनाता है। जैसा कि हम त्योहारों के मौसम में प्रवेश करते हैं, यह गर्मजोशी और खुशी फैलाने का समय है। हमारा मानना है कि मुस्कान संक्रामक होती है और किसी का भी दिन खुशनुमा बना सकती है। हिमालय वेलनेस की मार्केटिंग डायरेक्टर - ब्यूटी और पर्सनल केयर रागिनी हरिहरन ने कहा। हिमालय वेलनेस में, हम अपने उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो स्वास्थ्य और सौंदर्य के प्रति हमारे समग्र दृष्टिकोण को मूर्त रूप देने वाले अभिनव, प्राकृतिक समाधानों के माध्यम से बेहतर बनाते हैं।

प्रधानाचार्य की हत्या कानून व्यवस्था के साथ सामाजिक दशा पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा करती है: रमेश सिंह

जौनपुर, (उत्तरशक्ति)। पिछले दिनों नेशनल इन्टर कालेज भदोही के प्रधानाचार्य डा0 योगेन्द्र बहादुर सिंह की गोली मारकर निर्मम हत्या किए जाने के विरोध में उ0प्र0मा0शि0संघ (ठकुराई) के प्रदेश संरक्षक रमेश सिंह की उपस्थिति में पदाधिकारियों एवं शिक्षकों द्वारा शोक सभा का आयोजन कर दिवंगत आत्मा की शान्ति एवं शोक संतप्त परिवार को सम्बल प्रदान करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना की गयी। तत्पश्चात प्रधानाचार्यों/ शिक्षकों और कर्मचारियों को भयमुक्त वातावरण में कार्य करने के लिए आवश्यक उपायों पर चर्चा हेतु बैठक हुई।बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रदेश संरक्षक रमेश सिंह ने कहा कि एक प्रधानाचार्य की हत्या न केवल कानून व्यवस्था के लिए चुनौती है बल्कि यह सामाजिक गिरावट को भी प्रदर्शित करती है। शिक्षक समाज को दशा व दिशा देता है लेकिन कुछ आपराधिक मनोवृत्ति के लोग शिक्षकों को भयभीत कर उन्हें कर्तव्य विमुख करना चाहते हैं जो प्रदेश एवं देश के लिए हानिकारक है। इसलिए मुख्यमंत्री महोदय से संगठन यह मांग करता है कि न केवल दोषियों के विरूद्ध कठोरतम कार्यवाही हो बल्कि पीडित परिवार को आर्थिक अनुतोष, किसी सदस्य को नौकरी सहित सुरक्षा भी प्रदान की जाय। इसके साथ ही प्रदेश के सभी प्रधानाचार्यों/ शिक्षकों और कर्मचारियों को दायित्व निर्वहन हेतु पूरी सुरक्षा प्रदान करने का कार्य सरकार करे। अन्यथा की स्थिति में संगठन सडक पर आन्दोलन के लिए बाध्य होगा। बैठक के पश्चात उ0प्र0मा0शि0 संघ (ठकुराई) के पदाधिकारियों द्वारा संरक्षक रमेश सिंह के नेतृत्व में मुख्यमंत्री को सम्बोधित अपनी मागों का ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा गया। उक्त अवसर पर संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष डा. राकेश सिंह, मण्डल संयोजक सरोज कुमार सिंह, जिलाध्यक्ष तेरस यादव, कोषाध्यक्ष सैयद हसन सईद, उपाध्यक्ष बद्रीनाथ सिंह सहित अन्य शिक्षक नेता उपस्थित रहे।

पीयू के छात्र अभिषेक दुबे राज्य स्तरीय शोधपत्र लेखन प्रतियोगिता में चयनित

जौनपुर, (उत्तरशक्ति)।वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक और संचार अभियांत्रिकी विभाग के छात्र अभिषेक दुबे ने भारतीय शिक्षा मंडल, गोरक्ष प्रांत द्वारा आयोजित ₹विजन फॉर विकसित भारत₹ राज्य स्तरीय शोध पत्र लेखन प्रतियोगिता में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त की है। यह प्रतियोगिता 13 अक्टूबर 2024 को मदन मोहन मालवीय प्रद्योगिकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर में आयोजित की गई, जिसमें पूरे देश से 168,000 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इनमें से 1,200 प्रतिभागियों का चयन किया गया, जिनमें अभिषेक दुबे का नाम भी शामिल है। आगामी कार्यक्रम, जो राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित शोधार्थी सम्मेलन के रूप में होगा, की तिथि 15, 16 और 17 नवंबर को एसजीटी यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम, हरियाणा में होगा।इस तीन दिवसीय सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ और शोधार्थी अपने शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे और चर्चा करेंगे। अभिषेक ने अपनी सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह, विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर रवि प्रकाश, डॉ. विक्रांत बटेजा, डॉ. प्रवीण सिंह, डॉ. मोहम्मद अनीश, प्रो. संतोष कुमार, प्रो. प्रदीप कुमार को दिया। सभी का मानना है कि अभिषेक दुबे की इस उपलब्धि ने विश्वविद्यालय का मान और प्रतिष्ठा बढ़ाई है।